The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 1 Volume - 3

September - November 2020

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 1 अंक | 3 सितंबर– नवंबर, 2020

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

बलिया (उ०प्र०)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 1 Volume - 3
September - November 2020

अन्वीक्षण
त्रैमासिक समाचार पत्र
वर्ष | 1 अंक | 3 सितम्बर–नवम्बर, 2020

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	शिक्षक सम्मान समारोह ...	3
2.	हिन्दी दिवस का आयोजन	3
3.	प्रधानमंत्री के जन्मदिवस	3–4
4.	पं0 दीनदयाल उपाध्याय ...	4
5.	गांधी व शास्त्री की जयंती ...	4–5
6.	कौशल विकास केन्द्र	6
7.	विश्वविद्यालय की उपलब्धियों ...	6
8.	'मिशन शक्ति' का आयोजन	7–9
9.	सरदार पटेल एवं आचार्य	9
10.	'सृजन–2020' के आयोजन....	10
11.	उभरती प्रतिभायें	10
12.	सांस्कृतिक कैलेण्डर घोषित	10
13.	राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम	10–11
14.	रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम	12–13
15.	Living Legends of Ballia....	13–14
16.	Special Lecture On "Atmospheric ..	14–15
17.	Webinar On Global Hand	15
18.	Webinar Organized on 'Appa....	16
19.	Prof. Raj Nath Yadav visited	16

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 कल्पलता पाण्डेय
कुलपति

संपादक
डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव

उप संपादक एवं संपादन सचिव
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय
डॉ0 श्रीपति कुमार यादव
डॉ0 दिव्या मिश्र

सम्पादक की कलम से...

देवऋण, ऋषिऋण, पितृऋण, तथा लोकऋण के प्रति दायित्व निर्वहन मनुष्य का धर्म है। अपनी जन्मभूमि के प्रति समर्पण तथा उन्नति के लिए कार्य करते हुए ही लोकऋण से उऋण हुआ जा सकता है। माननीय कुलपति महोदया ने देश-विदेश में ख्यातिलब्ध बलिया के विभूतियों को 'लिविंग लीजेण्ड्स ऑफ बलिया' फोरम के माध्यम से मंच देकर एक पुनीत कार्य किया है। फोरम से जुड़े ख्यातिलब्ध महानुभावों द्वारा छात्रों को शोध की नई प्रविधियों, एवं अनुप्रयोगों की विस्तृत जानकारी दी गयी तथा इन क्षेत्रों में आगे भी समूचित सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता जतायी गयी। इसी शृंखला में कुलपति महोदया ने 'कौशल विकास केन्द्र' की स्थापना करके ग्रामीण महिलाओं को स्व-रोजगार के लिए एक व्यापक आधार दिया है।

नारी सुरक्षा एवं सम्मान भारतीय धर्म की विशेषता है। शारदीय नवरात्र से वासंतिक नवरात्र तक चलने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम का विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा उत्साहपूर्वक संचालन किया गया। 'पाक्सो एक्ट', 'महिला हेल्प लाइन नम्बर', 'पोषण सम्बन्धित तथ्य' जैसे विषयों पर वेबिनारों के माध्यम से छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को जागरूक करना तथा छात्राओं को अपनी सुरक्षा हेतु मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देना इसमें सम्मिलित है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार उनके कौशल का विकास करना तथा महापुरुषों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर उन्हें चारित्रिक उत्थान के लिए प्रेरित करना भी शिक्षण संस्थाओं का एक उद्देश्य होता है। सांस्कृतिक कैलेण्डर में भी विशिष्ट दिवसों तथा महापुरुषों की जयन्तियों का आयोजन छात्रों के नैतिक एवं बौद्धिक उत्थान के लिए उठाया गया एक उल्लेखनीय कदम है। विश्वविद्यालय द्वारा अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'सृजन 2020' के आयोजन का उद्देश्य भी विशिष्ट प्रतिभाओं को चिह्नित करना ही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, रोवर्स/रेंजर्स जैसी इकाइयों के अनेक सामाजिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक गतिविधियों को भी इस अंक में संकलित करने का प्रयास किया गया है।

'अन्वीक्षण' का तृतीय अंक आप तक प्रेषित करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। आप सभी के अमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा है।

नि. श्रीवास्तव
सम्पादिका

शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

शिक्षक दिवस के अवसर पर दिनांक 05 सितम्बर, 2020 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की पहल पर आयोजित इस समारोह में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के 33 सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कुलपति महोदया ने इन शिक्षकों को प्रशस्ति–पत्र, शाल तथा स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व उन्होंने माँ सरस्वती एवं डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा, शिक्षक में राष्ट्र को बदल देने की क्षमता होती है, इसलिए वह समाज का सर्वाधिक सम्मानित सदस्य होता है। इन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में यह परम्परा इस वर्ष शुरू हुई, इसका मुझे अफसोस है। मैं स्वयं एक शिक्षक हूँ, इसलिए शिक्षक सम्मान मेरे सर्वोपरि है। इस अवसर पर एस0बी0आई0 के शाखा प्रबंधक प्रमोद कुमार 'आजाद' ने कुलपति महोदया को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में डॉ0 अशोक कुमार उपाध्याय, डॉ0 श्रीरंगनाथ मिश्रा, डॉ0 के0के0 मिश्र, डॉ0 बलराम

प्रसाद, डॉ0 गणेश पाठक, डॉ0 रामअवध पाण्डेय, डॉ0 विभा मालवीय, डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव आदि थे। इन शिक्षकों ने कुलपति द्वारा शुरू की गयी इस परम्परा की भूरि–भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। कुलगीत की प्रस्तुति डॉ0 अरविन्द उपाध्याय और साथियों ने की। इस अवसर पर वित्त अधिकारी ममता सिंह, उप कुलसचिव महेश कुमार, डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव, डॉ0 अरविन्दनेत्र पाण्डेय, डॉ0 रामशरण पाण्डेय, डॉ0 अशोक सिंह, डॉ0 देवेन्द्र सिंह, डॉ0 साहेब दूबे, नेहा विशेन, अतुल कुमार तथा विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ० यशवंत सिंह, प्रख्यात आलोचक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, सिटी कॉलेज, कोलकाता यूनिवर्सिटी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस देश में हिन्दी के महत्त्व को बतलाने के लिये हिन्दी दिवस का आयोजन करना पड़ता है जबकि दुनिया में कोई दूसरा ऐसा देश नहीं है जो अपनी भाषा को सम्मान नहीं देता हो। स्वाधीनता पूर्व हिन्दी को अहिन्दीभाषियों ने भी राष्ट्रीय एकता के लिये अनिवार्य माना था किन्तु स्वतंत्रता मिलने के साथ राजनीतिक कारणों से हिन्दी के महत्त्व को घटाया गया।

विशिष्ट वक्ता डॉ० आशीष त्रिवेदी, प्रख्यात रंगकर्मी एवं सचिव 'संकल्प' ने कहा कि हिन्दी के बढ़ते कदमों को अब रोका नहीं जा सकता क्योंकि हिन्दी भाषा–भाषी वर्ग की बहुसंख्या उसे ताकत देती है। जरूरत यह है कि उसकी लोकभाषा और लोकसंस्कृति से जुड़ाव को और मजबूत किया जाये।

विषय प्रवर्तन करते हुये डॉ० अमलदार नीहार,विभागाध्यक्ष हिन्दी, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया ने कहा कि शब्दों के चयन एवं प्रयोग में सतर्कता अपनाने की आवश्यकता है। हिन्दी की शब्द सम्पदा विश्व की किसी भी भाषा से कमतर नहीं है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये कुलपति प्रो० कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि हमें अपनी राष्ट्रभाषा, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिये। हमें अपनी राष्ट्रभाषा हिन्दी के अलावा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी विकासित करना होगा तभी हम अंग्रेजी के वर्चस्व को समाप्त कर सकते हैं। अंग्रेजी दासता की भाषा है और हमें मानसिक गुलामी से आजाद होने की जरूरत है।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ० निवेदिता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया, संचालन डॉ० प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संजय कुमार ने किया।

इस अवसर पर डॉ० साहेब दूबे, डॉ० अशोक कुमार श्रीवास्तव, डॉ० अरविन्द नेत्र पाण्डेय, डॉ० दयालानंद राय ,डॉ० रीना सक्सेना, डॉ० सुजीत वर्मा, डॉ० सुचेता प्रकाश आदि प्राध्यापक, विश्वविद्यालय के कर्मचारी गण, विद्यार्थी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर पौधरोपण एवं संगोष्ठी का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में दिनांक 17 जुलाई, 2020 को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी का 70वां जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और विश्वविद्यालय की माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की मंशा के अनुरूप इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में

पीपल के लगभग 800 पौधे लगाए गए। इस कार्य को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना ने अग्रणी भूमिका निभाई।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के सामने कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय व श्रीमती श्रद्धा यादव , प्रभागीय निदेशक, वन विभाग द्वारा पीपल का पौधा रोपकर पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात कुलसचिव एवं अन्य अधिकारियों द्वारा परिसर में लगभग अस्सी पौधे रोपे गए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में एक समारोह का आयोजन भी किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती श्रद्धा यादव ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर वृक्ष लगाए जाने की अनूठी पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज को इससे संदेश लेना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर वृक्ष लगाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पीपल और दूसरे पेड़ हमें मुफ्त में ऑक्सीजन देते हैं , साथ ही वे हमें कई तरह से लाभ भी पहुंचाते हैं।

समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति महोदया ने प्रधानमंत्री के जीवन के तमाम पहलुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि हमारे प्रधानमंत्री बड़ी सोच और विराट व्यक्तित्व वाले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि बेदाग छवि वाले प्रधानमंत्री ने गरीबी देखी है, इसलिए गरीबों के साथ उनका लगाव उनकी तदानुभूति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वही नेतृत्व देश को आगे ले जाता है, जो बड़ा सोचता है। इस दृष्टि से हमारे प्रधानमंत्री में देश को आगे

ले जाने की अदभुत क्षमता है। कुलपति महोदया ने यह भी कहा कि वृक्ष हमें जीवन देते हैं , इसलिए हमारी परंपरा में उन्हें पूज्य माना गया है। मेरी कोशिश होगी कि जिन पौधों को मैं लगाऊँ उनकी रक्षा भी करूँ।

अथितियों का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ साहेब दूबे ने किया। डॉ0 अरविंद उपाध्याय और उनके साथियों ने कुलगीत प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संजय कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय, डॉ0 रामशरण पाण्डेय, डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय, डॉ0 बृजेश सिंह, डॉ0 अवनीश चन्द्र पाण्डेय, डॉ0 ब्रजेश तिवारी, डॉ0 भजुरामा त्रिपाठी, सुश्री नेहा, श्री अतुल कुमार, श्री महेश कुमार के अलावा एनसीसी और एनएसएस से जुड़े विद्यार्थी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर वेबिनार का आयोजन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 25 सितंबर को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के द्वारा 'राष्ट्र की अवधारणाः पं० दीनदयाल उपाध्याय की दृष्टि' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार के कुलपति प्रो० संजीव शर्मा जी ने कहा कि विश्व के सर्वतोमुखी विकास एवं मानव कल्याण के लिये पश्चिम का दर्शन अनुपयुक्त है और भारतीय दर्शन में विशेषकर एकात्म मानव दर्शन में ही यह क्षमता है कि वह न केवल मानव बल्कि सम्पूर्ण चराचर के कल्याण का हेतु बन सकता है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो० पवन शर्मा ने बताया कि एकात्म मानव दर्शन भारत की समाज परम्परा में रचा बसा है और इस परम्परा का मर्मस्पर्शी चित्रण मुंशी प्रेमचंद की कहानी मंत्र में मौजूद है। गढ़वाल विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो० सुरेखा डंगवाल ने बताया कि पश्चिम का दर्शन शक्ति, सत्ता, वर्चस्व, घमंड और संघर्ष जैसे मूल्यों पर आधारित है जबकि भारतीय परम्परा नम्रता, शिष्टता,साहचर्य और एकात्मता की संस्कृति पर आधृत है। भगवान राम और कृष्ण के जीवन चरित इसकी पुष्टि करते हैं। शकुंतला मिश्र पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो० राणा कृष्णपाल सिंह ने कहा कि दीनदयाल जी का

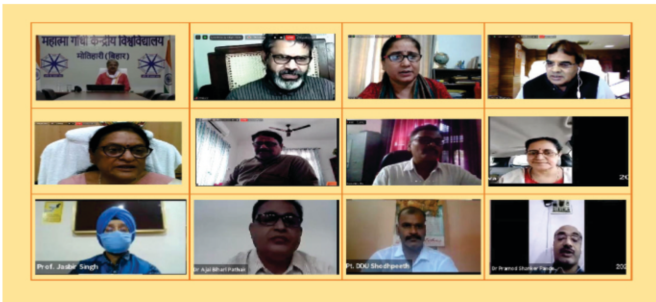

ध्यान भारत के युवा, किसान और मजदूरों के आर्थिक विकास पर केंद्रित था इसीलिए वे स्वदेशी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की बात करते थे।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति के आधार पर विद्यार्थियों को शिक्षा देनी चाहिये। हमें अपनी सांस्कृतिक अस्मिता पर गौरवबोध होना चाहिये क्योंकि हम विश्व को सांस्कृतिक सहिष्णुता की शिक्षा देने में सक्षम हैं। इस संगोष्ठी में अतिथि परिचय और संचालन डॉ० रामकृष्ण उपाध्याय ने, स्वागत डॉ० अजयबिहारी पाठक ने, प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन डॉ० प्रमोद शंकर पाण्डेय ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ० दयालानंद राय ने किया। वेबिनार में देश–विदेश से अनेक गणमान्य शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

गांधी व शास्त्री की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

गांधी व शास्त्री जयंती के अवसर पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में 02 अक्टूबर, 2020 को 'महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के सपनों का भारत' विषयक गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि संसदीय कार्य एवं ग्राम्य विकास राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल व कुलपति प्रो0 कल्पलता पांडेय ने गांधी–शास्त्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल ने कहा कि महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि कुछ समय बाद दुनिया आश्चर्य करेगी कि एक ऐसा महामानव आया था धरती पर जिसकी

प्रासंगिकता सदियों तक बनी रहेगी। दुनिया में उन्हीं व्यक्तित्वों की बातें आगे बढ़ती हैं, जिनके विचार और कर्म में कोई अंतर नहीं होता। श्री शुक्ल ने महात्मा गांधी के प्रारंभिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपनी बात शुरू की। डरबन और प्रिटोरिया की गांधी की यात्रा का जिक्र करते हुए आपने कहा कि जहाँ गांधी जी का अपमान हुआ, वहीं पर उनके विचार सर्वाधिक अपनाए गए हैं। वहाँ उनकी विशाल प्रतिमा लगी है। गांधी जी ने झोपड़ी में रहना शुरू कर दिया क्योंकि वे लोगों से अपने को जोड़ना चाहते थे। पूरी दुनिया में लोगों के बीच भेदभाव को समाप्त करने में गांधी जी की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि 9 जनवरी 1915 को भारत में आने के बाद अंग्रेजों के प्रति गांधी जी की राय बदली। गांधी ने उसके बाद ब्रितानी सरकार को हटाने के लिए कार्य शुरू किया। दुनिया के महान लोग भी गांधी जी से प्रेरणा लेते रहे हैं, जिसमें मार्टिन लूथर किंग व नेल्सन मंडेला भी शामिल हैं। भारत में आने के बाद गांधी ने चंपारण में पहला बड़ा आंदोलन किसानों के लिए सत्याग्रह के रूप में किया। जिसके बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उन्हें महात्मा की पदवी दी थी। गांधी जी ने समाज के अंतिम व्यक्ति की लड़ाई लड़ी। किसान, मजदूर से शुरू कर पूरे देश के लिए वे अहिंसक संघर्ष करते रहे। गांधी जी के बारे में जो बातें कही जाती हैं, उन्हें गांधी जी ने जिया था। मंत्री आनंद स्वरूप ने कहा कि भारत किसी एक कालखण्ड से नहीं बना है। यह सदियों की परंपरा से बना है। हजारों सालों से चली आ रही परंपराओं व सांस्कृतिक विचारों को आत्मसात करके ही देश का भला हो सकता है। श्री शुक्ल ने कहा कि भारत के समक्ष आज बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिनसे गांधी के बताए मार्ग पर चलकर ही निपटा जा सकता है। गांधी जी ने कहा था कि कायरता का विचार जीवन में नहीं आना चाहिए। उन्होंने 16 जनवरी 1925 की गांधी जी की बलिया यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के स्वदेशी के सिद्धान्त से ही भारत विश्वगुरु बनेगा। उन्होंने अंग्रेजी राज की शिक्षा के बारे में कहा था कि यह शिक्षा भारत को नास्तिकता की ओर ले जा रही है। गांधी जी ने स्वदेशी का नारा इसीलिए दिया था।

गांधी जी की प्रेरणा से समाज जीवन में आने वाले लालबहादुर शास्त्री के विचार भी भारत के लिए हमेशा प्रासंगिक बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी भी जो कहते थे, पहले उसे अपने जीवन में उतारते थे। भारत में कोई भी महान तभी होगा, जब भारत से जुड़ेगा। यही बातें गांधी–शास्त्री में थीं, जिनके कारण दोनों महान हुए। समतामूलक समाज का निर्माण ही गांधी जी का सपना था। आज भारत में गांधी जी के समय से भी बड़ी चुनौतियां हैं, जिनसे गांधी के सिद्धान्तों से ही पार पाया जा सकता है। आज प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को गांधी जी के विचारों से सफल बनाया जा सकता है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि स्वच्छ भारत की संकल्पना गांधी जी ने दिया था, जिस पर वर्तमान प्रधानमंत्री चल रहे हैं। शिक्षा को राष्ट्रवाद से जुड़ा हुआ होना चाहिए। यह गांधी जी के भी मन में था। राष्ट्र और देश, नागरिक और राष्ट्रीय होने में अंतर होता है। इसलिए राष्ट्र की अवधारणा को मजबूत करने की जरूरत है। गांधी के राष्ट्र व स्वावलंबन की अवधारणा को अपनाने के लिए शिक्षा भी राष्ट्रवादी होनी चाहिए। राष्ट्रीयता का भाव व्यक्ति के अंदर होना चाहिए। यदि विश्वविद्यालयों में भारत माता को गाली दी जाती है तो एक देशवासी के लिए यह अपमान की बात है। भारत को पुनः

विश्वगुरु बनाने के लिए हमें गांधी व शास्त्री के मार्ग पर सतत चलना होगा। कुलपति ने कहा कि शास्त्री जी ने अभावों में प्रारम्भिक जीवन बिताकर देश को अपना सर्वस्व दिया। उनका कद भले ही छोटा था, लेकिन व्यक्तित्व विराट था। हमें उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना होगा।

इसके पहले विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ0 शुभनीत कौशिक ने कहा कि गांधी की सोच में देश का किसान था। उनकी यही सोच भारत को प्रगति के पथ पर अग्रसर करेगी। शास्त्री जी के सपनों का भारत आत्मनिर्भर था। इसके लिए उन्होंने आजीवन प्रयास किया। 11 जून 1964 को बतौर प्रधानमंत्री अपने पहले संबोधन में शास्त्री जी ने सभी की खुशहाली के लिए जनता का आह्वान किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जनता के सहयोग के बिना देश को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। इसीलिए उन्होंने अपनी योजनाओं में विकेंद्रीकरण पर जोर दिया। उसी के बाद देश हरित क्रांति व दुग्ध क्रांति पर आगे बढ़ा। गांधी जी व शास्त्री जी के सपनों के भारत से पूरी दुनिया जुड़ी है। गांधी व शात्री जी ने सहअस्तित्व के सिद्धान्त पर देश को आगे बढ़ाया।

सतीश चंद्र कालेज के प्राचार्य डा. रामशरण पांडेय ने कहा कि गांधी और शास्त्री की प्रासंगिकता तभी होगी, जब हम देखेंगे कि वर्तमान में भारत किस ओर चल रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे। वे अहिंसा से हिंसा को पराजित करने के पक्षधर थे। सत्याग्रह के माध्यम से उन्होंने दमन का विरोध किया। उनकी आजादी की कल्पना ऐसे हिंदुस्तान के रूप में थी, जिसमें सभी धर्मों व वर्गों का स्थान था। गांधी जी की आजादी का अर्थ व्यक्ति व गांव के स्वावलंबन से था। उनका मानना है कि व्यक्ति व गांव स्वावलंबी होंगे तो राष्ट्र अपने–आप स्वावलंबी होगा। खुशी है कि आज देश की वर्तमान सरकार गांधी के आत्मनिर्भर सोच पर चल रही है। भारत जैसे देश का विकास गांधीवादी मूल्यों से ही सम्भव है।

इस संगोष्ठी में अरविंद उपाध्याय की टीम ने 'वैष्णव जन ते....' व 'रघुपति राघव राजा राम...' गाकर सबको भाव विभोर कर दिया। सभागार में गांधी के वेश में एक युवक का चरखा चलाना भी लोगों को खूब भाया।

इस अवसर पर डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव, डॉ0 देवेन्द्र सिंह, डॉ0 अशोक सिंह, डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव, डॉ0 मान सिंह, अरविंद उपाध्याय, प्रेमप्रकाश सिंह, अरुण सिंह बंटू आदि थे। अतिथियों का स्वागत डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पांडेय ने किया। कुलसचिव संजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कौशल विकास केन्द्र का लोकार्पण

02 अक्टूबर, 2020 को श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल, माननीय मंत्री, संसदीय कार्य एवं ग्राम्य विकास, उत्तर प्रदेश सरकार ने कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय के साथ विश्वविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र का शिलापट्ट पूजन और लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर कुलपति द्वारा किया गया। जिला विकास अधिकारी शशिमौली मिश्र ने कौशल विकास के संदर्भ में विकास कार्यों की जानकारी दी और मंत्री जी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए सरकार महिलाओं और हाशिए के व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों को निभाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि मैं चाहती हूँ कि यहाँ की महिलाएँ स्वरोजगार के जरिए सशक्त बनें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के सहयोग से हम कौशल विकास के संदर्भ में काम करेंगे। यहाँ मशरूम, सोलर लैम्प, टिकुली आधारित उद्योगों के प्रशिक्षण की योजना भी कौशल विकास केंद्र के माध्यम से चलाई जायेगी। महिलाओं का सामाजिक आर्थिक विकास एवं सशक्तिकरण की दिशा में भी हम कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में स्वयंसहायता समूह की महिलाओं के अलावा डीडीओ, कई बीडीओ और अधिकारी– कर्मचारी उपस्थित थे। संचालन डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री संजय कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की चर्चा

15 अक्टूबर 2020 जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की ओर से प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से वार्ता करते हुए कुलपति ने जहाँ विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ गिनायीं, वहीं इसके समक्ष खड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। कुलपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के पास सीमित संसाधन अवश्य हैं, किन्तु हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं है। हम विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और इसके सुखद परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में परीक्षा चल रही है, जबकि जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय ने तय समय से पहले नकलविहीन परीक्षा कराकर एक मिसाल कायम की है। यही नहीं, इस विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के अधिकांश परीक्षाफल भी घोषित कर दिए हैं और शेष पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी 20 अक्टूबर तक घोषित कर दिए जाएंगे। खुशी की बात है कि हमारा विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम घोषित करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके लिए कुलपति ने मूल्यांकन प्रभारी डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय और अन्य प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद भी दिया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर और सबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नात्तकोत्तर प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। हमारा प्रयास है कि 30 अक्टूबर तक प्रवेश पूरा करके 1 नवम्बर से कक्षाओं का संचालन आरम्भ कर दिया जाए। पी–एच0डी0 के संदर्भ में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई चल रही है और यह पढ़ाई सुचारू रूप से चले, इसकी निगरानी भी की जा रही है। पी–एच0डी0 पाठ्यक्रम की परीक्षा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नवम्बर में पी–एच0डी0 के विद्यार्थियों की परीक्षा संभावित है। उन्होंने कहा कि मैं शोध की गुणवत्ता को हर कीमत पर कायम रखना चाहती हूँ। साथ ही यह भी चाहती हूँ कि शोध ऐसे विषयों पर हों, जिनका हमारे जीवन में उपयोग हो। 'बलिया की विभूतियाँ' फोरम का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इससे जुड़ी विभूतियों का हमें काफी सहयोग मिल रहा है। इनमें से कई हमें शोध में सहयोग करने के लिए सहर्ष तैयार हैं। हमारा प्रयास होगा कि इनकी विशेषज्ञता का लाभ हमारे शोधकर्ताओं को मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के सहयोग से हम कौशल विकास के संदर्भ में काम कर रहे हैं। यहाँ मशरूम, सोलर लैम्प, टिकुली आधारित उद्योगों के प्रशिक्षण की योजना भी कौशल विकास केंद्र के माध्यम से चलाई जा रही है। महिलाओं का सामाजिक आर्थिक विकास करके उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में भी हम कार्य कर रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि हम विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यहां एम0काम0, एम0ए0 हिन्दी, समाजशास्त्र, प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास, गृहविज्ञान आदि परंपरागत पाठ्यक्रमों के अलावा एम0एस0डब्लू0 और पी0जी0डी0सी0ए0 जैसे नए पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश कार्य चल रहा है, जो 30 अक्टूबर तक चलेगा। कुलपति ने कहा कि लड़कियों के सुरक्षित आवागमन के लिए बस की व्यवस्था की गयी है।उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले प्रत्येक विद्यार्थी की मैं माँ हूँ, और विद्यार्थियों का ध्यान रखना मेरी जिम्मेदारी। मुझे खुशी होगी, यदि विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय से जुड़ेंगे।

'मिशन शक्ति' का आयोजन

दिनांक 17 अक्टूबर, 2020 को 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम का मेगा लांच उ0प्र0 शासन के निर्देशानुसार जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा अपराह्न तीन बजे किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ महाशक्ति के श्लोक द्वारा डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने की तथा अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन डॉ0 निशा राघव, संयोजक महिला प्रकोष्ठ, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय ने किया। विधि क्षेत्र से विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो0 राजीव कुमार, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार एवं मनोवैज्ञानिक डॉ0 अनुराग भटनागर सम्मिलित हुए। डॉ0 राजीव कुमार ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए सभी से विशेष आग्रह किया तथा संबंधित कानूनों के विषय में जानकारी दी। डॉ0 अनुराग भटनागर ने 'पॉजिटिव पेरेंटिंग' के तहत माता–पिता की अहम जिम्मेदारी के अन्तर्गत बालक–बालिकाओं के सही पालन–पोषण की ओर ध्यान आकृष्ट किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री संजय कुमार ने 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 साहेब दूबे, विश्वविद्यालय समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किया गया।

दिनांक 18 अक्टूबर, 2020 को महिला प्रकोष्ठ द्वारा प्रातः 11 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ डॉ0 निशा राघव ने माँ शक्ति के मंत्रोच्चारण 'या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता:, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' से किया। इस कार्यक्रम में मिशन शक्ति के 17 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी तथा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम को शारदीय नवरात्र से वासंतिक नवरात्र तक जारी रखने के विषय में भी जानकारी दी गयी। डॉ0 ममता वर्मा ने छात्रों को शपथ दिलाई।

दिनांक 19 अक्टूबर, 2020 को माननीय कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय जी की अध्यक्षता में 'महिला प्रकोष्ठ' जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत सायं 05.00 बजे ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ0 सुचेता प्रकाश रहीं, जिन्होंने 'कोविड–19 से बचाव के सुझाव' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ0 सुचेता प्रकाश ने कोरोना वायरस की संरचना की विस्तृत विवेचना करते हुए कोरोना के लक्षणों को बताया तथा 'कोविड–19' से बचाव के लिए 'रोग प्रतिरोधक शक्ति' को विकसित करने पर जोर डाला। उन्होंने सभी को 'सोशल डिस्टेंसिंग' अपनाने तथा मास्क लगाने का सुझाव दिया। प्रश्नोत्तर कार्यक्रम श्रीमती रंजना मिश्रा एवं सुश्री पूनम गुप्ता द्वारा सम्पन्न किया गया।

दिनांक 20 अक्टूबर, 2020 को माननीय कुलपति महोदया, प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की अध्यक्षता में 'महिला प्रकोष्ठ' जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत सायं 05.00 बजे ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन, मिशन की जानकारी व वक्ता परिचय एवं स्वागत डॉ0 राघव ने किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ0 सुचेता प्रकाश रहीं जिन्होंने 'मानसिक स्वास्थ्य एवं महिलाओं एवं बच्चों में इम्यूनिटी का विकास' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ0 सुचेता ने बताया कि

शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता के विकास के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना अति आवश्यक है, क्योंकि हमारे मस्तिष्क में उपस्थित हाइपोथैलेमस ग्रंथि हमारे तंत्रिका तंत्र एवं अंतःस्रावी तंत्र द्वारा हमारी शारीरिक एवं मानसिक क्रिया–कलापों को नियंत्रित करता है। स्वस्थ तन–मन का विकास हमारी दिनचर्या, पोषण एवं हमारी परिस्थिति पर निर्भर है। महिलाओं में अपने ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव के कारण आयरन, विटामिन डी तथा कैल्शियम की कमी का होना एक आम बात है। सुश्री पूनम गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को माननीय कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की अध्यक्षता में 'महिला प्रकोष्ठ' जननायक चन्द्रशेखर विश्वविश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत सायं 05.00 बजे ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन, मिशन की जानकारी व वक्ता परिचय एवं स्वागत डॉ0 निशा राघव, संयोजक महिला प्रकोष्ठ ने किया। कार्यक्रम की वक्ता डॉ0 आशु सिंह रहीं, जिन्होंने 'महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्यवर्धन और पोषण' विषय पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए पौष्टिक आहार के महत्व, गर्भावस्था में सावधानियाँ, शिशुओं के सही विकास आदि पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। डॉ0 आशु ने कहा कि स्वस्थ तन का विकास हमारी दिनचर्या, पोषण एवं महामारी परिस्थिति पर निर्भर है। डॉ0 सुचेता प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सुश्री पूनम गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिनांक 22 अक्टूबर, 2020 को माननीय कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की अध्यक्षता में 'महिला प्रकोष्ठ' जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये गये जिसमें डॉ0 विवेक कुमार सिंह के निर्देशन में प्रशिक्षक वारिस अली एवं पंकज प्रकाश राय द्वारा छात्राओं को मार्शल आर्ट, जूडो–कराटे आदि के गुर सिखाए गये। तत्पश्चात पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की एम0काम0 एवं एम0ए0 की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सुश्री नेहा विशेन ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिनांक 23 अक्टूबर, 2020 को माननीय कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय जी की अध्यक्षता में 'महिला प्रकोष्ठ' जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत प्रातः 11.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में 'लैंगिक रूप से समान समाज की परिकल्पना' विषय पर निबंध प्रतियोगिता

आयोजित कराई गई, जिसमें विश्वविद्यालय की एम0काम0, एम0ए0 समाजशास्त्र व हिन्दी के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक गुप्ता (एम0ए0, समाजशास्त्र), द्वितीय स्थान स्वाति सिंह (एम0काम0) तथा तृतीय स्थान मधु वर्मा (एम0ए0, समाजशास्त्र) को प्राप्त हुआ। डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिनांक 24 अक्टूबर, 2020 को 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के आठवें दिन प्रातः 11.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में 'महिला सम्मान' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित कराई गई, जिसमें विश्वविद्यालय की एम0काम0, एम0ए0 समाजशास्त्र व हिंदी के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ0 रामशरण पाण्डेय तथा डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय रहे। कुलपति महोदया ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ0 साहेब दूबे, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय, विभिन्न संकायाध्यक्ष, डॉ0 अखिलेश प्रसाद, विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री संजय कुमार, आदि उपस्थित रहे। सुश्री नेहा विशेन व डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने सहयोग दिया। अतुल कुमार प्रवक्ता वाणिज्य विभाग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

दिनांक 25 अक्टूबर, 2020 को समापन दिवस पर महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'मिशन शक्ति' के 17 से 24 अक्टूबर तक चले विभिन्न कार्यक्रमों की विवेचना की गयी तथा 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम को आगे वासंतिक नवरात्र तक जारी रखने के विषय में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ0 साहेब दूबे, जन सम्पर्क अधिकारी डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय, विभिन्न संकायाध्यक्ष, डॉ0 अखिलेश प्रसाद, विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री संजय कुमार, सुश्री नेहा विशेन, डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ0 अतुल कुमार, शोधार्थी, विश्वविद्यालय व अन्य महाविद्यालयों के छात्र/छात्राएं आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सुचेता प्रकाश ने किया।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के द्वितीय चरण में 12 नवम्बर, 2020 को 'महिला सम्मान व सुरक्षा' विषय पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के 'महिला प्रकोष्ठ' द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में डॉ0 निशा राघव ने विश्वविद्यालय महिला प्रकोष्ठ के गठन की जानकारी देते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति के गठन के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाये जा सकेंगे। महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ0 सुचेता प्रकाश ने महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा बनायी गयी योजनाओं 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम, किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए राजीव गांधी योजना (सबला), मातृत्व सहयोग योजना महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रमों आदि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा जहाँ पर महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज न करायी हो। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चल रही महिला हेल्पलाइन नं0–181 का संचालन भी अब यू0पी0 पुलिस की 112 सेवा की तरह ही 24 घण्टे, सातों दिन हो रहा है, जिससे कोई भी पीड़ित महिला सहायता मांग सकती है।

दिनांक 13 नवम्बर, 2020 को 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत 'महिला सम्मान, सुरक्षा व स्वावलम्बन' विषय पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के महिला प्रकोष्ठ द्वारा अतिथि व्याख्यान कराया गया, जिसमें मुख्य वक्ता–श्री सिद्धार्थ सिन्हा Solution Architect Zurich, Switzerland ने साइबर सुरक्षा के अहम बिन्दुओं जैसे निजी डाटा की सुरक्षा, सोशल मीडिया सुरक्षा व नियम, साइबर बुलीइंग से सुरक्षा, वित्तीय सुरक्षा, इत्यादि पर क्रमबद्ध चर्चा की। आपने साइबर हमले के लिए निवारक उपाय भी बताने के साथ ही संरक्षण के लिए साइबर कानून व हेल्पलाइन नंबर के विषय में जानकारी भी दी। श्री सिन्हा ने साइबर क्राइम के विषय में कहा कि आज कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट हमारी आवश्यकता बन गयी है। दिनों–दिन बढ़ते हुए इस क्षेत्र में अपराधों के प्रति सावधान एवं जागरूक रहते हुए हमें इसका उपयोग करना है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सुचेता प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में डॉ0 मंजीत राय, श्री मंगल चन्द राय, डॉ0 मनोज कुमार दुबे, डॉ0 विमलेश कुमार मौर्या, बेसिक शिक्षा विभाग से सरवत अफरोज़, अन्य महाविद्यालयों से प्राध्यापक, शोधार्थी, छात्र आदि सम्मिलित हुए।

दिनांक 15 नवम्बर, 2020 को महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ0 ममता वर्मा ने अभिभावकों को बालिका सुरक्षा की शपथ दिलाई। डॉ0 वर्मा ने अभिभावकों एवं छात्रों से गुजारिश की कि आपको जो शपथ दिलाई जा रही है उसे मात्र वाचिक रूप में दुहरा कर आप अपने कर्तव्यों की इतिश्री ना समझे। 'मिशन शक्ति' अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में तब सफल होगा जब आप इसे अपने चरित्र एवं व्यवहार में उतारेंगे। बेटे और बेटी में भेद अब और नहीं। आइए मिलकर ऐसे समाज की बुनियाद रखें जो लिंग–भेद से परे हों, जहाँ दोनों के साथ समान व्यवहार हो तथा महिलाओं एवं पुरुषों दोनों को विकास के समान सुअवसर प्राप्त हो।

'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत कुँवर सिंह कालेज में 'स्त्री अधिकार मिशन' और 'वास्तविकता' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ0 फूलबदन सिंह ने भारत की सांस्कृतिक परम्परा में मिले महिला अधिकारों की चर्चा की । डॉ0 अजय बिहारी पाठक ने रूढ़ि और परम्परा में अंतर बताया। डॉ0 दिव्या मिश्र ने स्त्री अधिकारों की जमीनी हकीकत का जिक्र किया। प्राचार्य डॉ0 अशोक कुमार सिंह ने अध्यक्षीय व्यक्तव्य दिया। अन्य वक्ताओं में डॉ0 राजेन्द्र पटेल, डॉ0 अवनीश जगन्नाथ, और डॉ0 मंजीत सिंह सम्मिलित रहे। श्री सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत नारी

सशक्तिकरण के सन्दर्भ में विविध आयोजन किये गये। इस अवसर पर अनेक संगोष्ठियों के माध्यम से छात्राओं की समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस क्रम में महाविद्यालयों की छात्राओं का एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया। डॉ0 सन्तोष कुमार सिंह, डॉ0 विवेकानन्ददेव पाण्डेय, श्री सुबोधकांत तिवारी, डॉ0 त्रिपुरारी ठाकुर, राहुल कुमार आदि प्राध्यापकों ने छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के सन्दर्भ में विस्तृत व्याख्यान दिये।

'मिशन शक्ति' के अंतर्गत ही विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें छात्राओं को आत्मरक्षा के उपाय बतलाये गये। गुलाब देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में आयोजित कार्यक्रम में डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव, प्राचार्या, डॉ0 मनीषा मिश्र, डॉ0 नेहा आचार्या, डॉ0 दिनेश कुमार, डॉ0 प्रिया सिंह, डॉ0 नीतू राय, डॉ0 प्रतिमा सिंह, श्रीमती अंजू कपूर आदि ने वेबिनारों के माध्यम से छात्राओं और अभिभावकों को जागरूक किया। संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय में 'विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा' एवं 'साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं लैंगिक हिंसा की रोकथाम' विषय पर गोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्या डॉ0 अन्नपूर्णा राय, डॉ0 शैलेन्द्र कुमार चौबे, राजेश राय आदि प्राध्यापक सम्मिलित हुये।

सरदार पटेल एवं आचार्य नरेन्द्र देव की जयन्ती का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को मनायी गयी। इस अवसर पर 'आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका' विषय पर एक विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरदार पटेल एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ0 जनार्दन राय ने की। उन्होंने सरदार पटेल को देश की एकता और अखण्डता का प्रतीक बताते हुए कहा कि सरदार पटेल की प्रतिमा जितनी ऊँची है, जनता के बीच उनकी विचारों की स्वीकृति की भी उतनी ही आवश्यकता है। मुख्य अतिथि डॉ0 यशवंत सिंह ने कहा कि आजाद भारत के साथ रियासतों को मिलाना कोई मामूली बात नहीं थी। यह कार्य सरदार पटेल जैसा कठोर व्यक्ति ही कर सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि कठोर वही हो सकता है, जो प्रेम करना जानता हो। सरदार पटेल अपने देश की जनता से अटूट प्रेम करते थे, इसी कारण उन्होंने कठोर फैसले लिए। विषय–प्रवर्तन करते हुए डॉ0 शुभनीत कौशिक ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल महज एक कुशल राजनेता ही नहीं, वरन व्यापक सरोकारों वाले युगद्रष्टा भी थे। अतिथियों का स्वागत डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 दयालानंद राय ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव संजय कुमार, सहायक कुलसचिव शोक विमोचन त्रिपाठी, डॉ0 यादवेंद्र प्रताप सिंह, अतुल कुमार, नेहा विशेन आदि मौजूद रहे।

'सृजन–2020' के आयोजन का निर्णय

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी समस्त महाविद्यालयों में अंतरमहाविद्यालयी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रतियोगिता के संदर्भ में दिनांक 23 नवम्बर, 2020 को कुलपति महोदया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक कार्यक्रम संयोजिका डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव एवं समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि ये प्रतियोगितायें दिनांक 07 दिसम्बर से 16 दिसम्बर, 2020 के मध्य 'सृजन 2020' के नाम से आयोजित की जायेंगी, अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रतियोगिता संचालन हेतु नामित महाविद्यालय निम्नवत् हैं–

दिनांक 07 दिसम्बर, 2020 को रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित की जायेगी जिसके लिए 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया। दिनांक 08 दिसम्बर, 2020 को संगीत–गायन एवं वादन प्रतियोगिता श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में आयोजित की जायेगी जिसमें एकल तथा समूह गायन, कौव्वाली, देशभक्ति गीत, लोकगीत, गजल, शास्त्रीय गायन तथा एकल वादन एवं समूह वादन होंगे जिसका समय 05 से 07 मिनट तक का होगा। दिनांक 09 दिसम्बर, 2020 को कोलाज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया में आयोजित की जायेगी जिसका समय 01 घण्टा होगा। दिनांक 10 दिसम्बर, 2020 को नृत्य प्रतियोगिता गांधी महाविद्यालय, मिड्ढा बेरूआरबारी, बलिया में आयोजित की जायेगी जिसमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, शास्त्री नृत्य एवं लोक नृत्य सम्मिलित होंगे और जिसके लिए 08 से 10 मिनट समय दिया गया। दिनांक 11 दिसम्बर, 2020 को नाटक, लघु, नाटक, प्रहसन, मूक एवं अभिनय प्रतियोगिता बांसडीह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह, बलिया, में आयोजित की जायेगी जिसका समय 20 से 25 मिनट का होगा। दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को 'ऑनलाइन शिक्षण पद्धति' पर वाद–विवाद एवं 'संविधान के अन्तर्गत मूल अधिकार एवं कर्तव्य' विषय पर क्विज प्रतियोगिता सतीश चन्द्र कालेज, बलिया में आयोजित की जायेगी। दिनांक 13 दिसम्बर, 2020 को आशुभाषण प्रतियोगिता श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं रसड़ा, बलिया में आयोजित होगी जिसमें 05 मिनट समय रहेगा। दिनांक 14 दिसम्बर, 2020 को 'राष्ट्र प्रेम' विषय पर मौलिक कविता लेखन एवं 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा रतसड़, बलिया में आयोजित होगी। दिनांक 15 दिसम्बर, 2020 को 'पर्यावरण के साथ संवाद' विषय पर मौलिक–कविता पाठ प्रतियोगिता गौरी शंकर राय कन्य महाविद्यालय, करनई बलिया में आयोजित की जायेगी। दिनांक

16 दिसम्बर, 2020 को 'आनन्द क्या है?' विषय पर पोस्टर एवं 'समकालीन राजनीति' विषय पर कार्टून कला प्रतियोगिता श्री जमुना राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चितबड़ागांव, बलिया में

उभरती प्रतिभायें

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के एन0सी0सी0 समन्वयक एवं सतीश चन्द्र कालेज, बलिया के प्राचार्य डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय के कुशल नेतृत्व एवं प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय की दो छात्राओं को विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त हुये। एन0सी0सी0 कैडेट वन्दना यादव को महानिदेशक एन0सी0सी0 द्वारा प्रशस्ति पत्र और कैडेट दीक्षा दूबे को चीफ मिनिस्टर गोल्ड मेडल अवार्ड से एन0सी0सी0 दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय इन दोनों छाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्वयंसेवक हर्ष प्रताप पासवान ने स्वर्ण जयंती महोत्सव 2020 पर आयोजित आलेख प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक कैलेण्डर घोषित

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आयोजन समिति द्वारा पूरे वर्ष के महत्वपूर्ण दिवसों एवं महापुरुषों की जयन्ती विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में मनाये जाएं इसके लिए एक सूची बनायी जिसके आधार पर पूरे वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रम निश्चित किये गये, जो निम्नवत् है :–

क्र0सं0	महत्वपूर्ण दिवस/कार्यक्रम	तिथि
1	विश्व हिन्दी दिवस	10 जनवरी
2	राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
3	नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती	23 जनवरी
4	छत्रपति शिवाजी जयन्ती	19 फरवरी
5	अन्तरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
6	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	19 फरवरी
7	अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस	08 मार्च
8	चन्द्रशेखर जयन्ती	17 अप्रैल
9	विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
10	महाराणा प्रताप जयन्ती	09 मई
11	विश्व पर्यावरण दिवस	05 जून
12	चन्द्रशेखर स्मृति दिवस	08 जुलाई
13	विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
14	लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयन्ती	23 जुलाई
15	अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस	12 अगस्त
16	बलिया बलिदान दिवस	19 अगस्त
17	महिला समानता दिवस	26 अगस्त
18	राष्ट्रीय खेल दिवस	29 अगस्त
19	शिक्षक दिवस	05 सितम्बर
20	विश्व साक्षरता दिवस	08 सितम्बर
21	हिन्दी दिवस	14 सितम्बर
22	पं दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती	25 सितम्बर
23	लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयन्ती	11 अक्टूबर
24	सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती	31 अक्टूबर
25	संविधान दिवस	26 नवम्बर
26	विश्व एड्स दिवस	01 दिसम्बर
27	अटल बिहारी वाजपेयी जयन्ती	25 दिसम्बर

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

गांधी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनांक 07 सितम्बर को अपने आस–पास के इलाकों में सेनेटाइजर वितरित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी के 71वें जन्मदिवस के अवसर पर दिनांक 17 सितम्बर, 2020 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा कुल 800 पीपल के पौधों का रोपण किया गया, जिसमें एन0एस0एस0 की विभिन्न इकाइयों द्वारा अपने महाविद्यालय परिसर में आवंटन के अनुसार पौधरोपण किया गया।

गांधी एवं शास्त्री जयन्ती के अवसर पर किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एन0एस0एस0 के द्वारा महाविद्यालय परिसर में साफ–सफाई की गयी। इस अवसर पर 'महात्मा गाँधी के सपनों का भारत' विषयक एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ0 अनिल कुमार पाण्डेय, डॉ0 अभय नाथ सिंह, डॉ0 चन्द्रमा सिंह एवं श्री संजय कुमार शुक्ल आदि प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वक्ताओं ने इस तथ्य पर बल दिया कि गांधी का सपना एक स्वतंत्र, स्वावलम्बी और मजबूत भारत के निर्माण का था जिसके लिए उन्होंने ग्राम

स्वराज्य, स्वदेशी, स्वावलम्बन और सर्वोदय जैसे विचारों को प्रतिपादित किया जो आज भी प्रासंगिक हैं।

दिनांक 08 अक्टूबर को नरहेजी महाविद्यालय तथा श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एन0एस0एस0 इकाई द्वारा 'कोविड–19' की रोकथाम एवं सुरक्षा के लिए एक शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा 'कोविड–19' से बचाव हेतु प्रोटोकाल का पूर्णतया पालन करने का शपथ लिया गया।

संविधान दिवस पर शपथ ग्रहण करते हुए विद्यार्थी

दिनांक 15 अक्टूबर को 'विश्व हाथ धुलाई दिवस' के अवसर पर परिसर एवं विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों में निबन्ध, पोस्टर, स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जगह–जगह विचार गोष्ठियों का भी आयोजन किया गया जिसमें प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने हाथ धोने के तरीके और फायदे बताये तथा अपने आस–पास के गाँव में लोगों को सही तरीके से और बार–बार हाथ धोने के लिए जागरूक भी किया। यह कार्यक्रम नरहेजी महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बजरंग पी0जी0 कालेज, हीरानन्द महाविद्यालय, मथुरा महाविद्यालय, राधा मोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाबा रामदल सूरजदेव स्मारक पी0जी0 कालेज आदि में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शासन के निर्देशानुसार दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में 'मिशन शक्ति' का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं की आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट, जूडो–कराटे आदि का प्रशिक्षण दिया गया। देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, नरहेजी महाविद्यालय, राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, मथुरा पी0जी0 कालेज, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलाब देवी महिला महाविद्यालय, सतीश चन्द्र कालेज, कुँवर सिंह महाविद्यालय, सुदृष्टि बाबा महाविद्यालय आदि विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों में इस अवसर पर गोष्ठियों एवं वेबिनारों का आयोजन किया गया तथा स्लोगन, पोस्टर, निबन्ध आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करके लोगों को लैंगिक समानता एवं महिलाओं की सुरक्षा के लिए जागरूक किया गया।

दिनांक 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं आचार्य नरेन्द्र देव की जयंती पर नरहेजी महाविद्यालय, हीरानन्द महाविद्यालय, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बजरंग पी0जी0 कालेज आदि विभिन्न महाविद्यालयों में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया गया।

मिशन शक्ति के द्वितीय चरण में दिनांक 5 नवम्बर से 11 नवम्बर तक परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, शिवराज स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बजरंग पी0जी0 कालेज आदि महाविद्यालयों के महिलाओं की सामाजिक स्थिति, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलम्बन से सम्बन्धित विभिन्न गोष्ठियों एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में देवेन्द्र पी0जी0 कालेज की एन0एस0एस0 इकाई ने रोवर्स रेंजर्स एवं एन0सी0सी0 के सहयोग से महिलाओं की सुरक्षा एवं आपात स्थिति में प्रयोग किये जा सकने वाले आवश्यक फोन नंबरों को कालेज के मुख्य गेट, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन आदि सार्वजनिक जगहों पर लगाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 हरेराम सिंह के साथ विभिन्न प्राध्यापक डॉ0 मिथिलेश सिंह, डॉ0 अरविन्द सिंह, डॉ0 वीरेन्द्र सिंह, डॉ0 शिवाकान्त मिश्र, डॉ0 मुकेश सिंह एवं डॉ0 मुकेश झा के साथ विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। बजरंग पी0जी0 कालेज की एन0एस0एस0 इकाई द्वारा सड़क सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ0 कृष्ण कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हुए ब्राजीलिया घोषणा की चर्चा करते हुए लोगों से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का आह्वान किया। डॉ0 दिलीप कुमार ने सड़क सुरक्षा के कानूनों के पालन में लापरवाही बरतने पर चिंता व्यक्त की तथा डॉ0 मनजीत कुमार ने सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को आंकड़ों के माध्यम से बताया जबकि डॉ0 विनीत कुमार तिवारी ने सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित कर मानव व भौतिक सम्पदा को बचाने की बात की और डॉ0 अनिल कुमार ने सभी को सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन की शपथ दिलाई। डॉ0 अम्बरीश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस वेबिनार में डॉ0 धर्मेन्द्र नाथ पाण्डेय, डॉ0 राजेश कुमार सहित विभिन्न प्राध्यापकों तथा छात्रों ने प्रतिभाग किया।

संविधान दिवस के अवसर पर दिनांक 26 नवम्बर को परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भारतीय संविधान के पालन की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर नरहेजी महाविद्यालय, देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, हीरानन्द महाविद्यालय, गांधी महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज आदि विभिन्न महाविद्यालयों में संगोष्ठियों एवं सभाओं का आयोजन किया गया, जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि हम सबको अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है अन्यथा हमारा लोकतंत्र मजबूत नहीं होगा। भारतीय संविधान के विभिन्न अंगों यथा नीति निदेशक तत्व, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य आदि बिन्दुओं पर वक्ताओं ने विशेष रूप से प्रकाश डाला और इसके महत्व को रेखांकित किया। भारतीय संविधान की मौलिकता और विभिन्न राष्ट्रों के संविधानों से इसकी तुलना करते हुए वक्ताओं ने भारतीय संविधान को कठोर एवं लचीले संविधानों के मध्य स्थित एक ऐसा संविधान बताया जिसमें भारतीय संघ एवं राज्यों के बीच एक मजबूत एकता का तत्व निर्मित होता है।

रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम

रोवर्स/रेंजर्स, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया निरंतर अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्ध है तथा प्रतिभागियों के अंदर नैतिक चरित्र एवं उत्तम नागरिक गुणों के विकास के साथ उनके अंदर दायित्व–बोध उत्पन्न करने के लिए प्रत्यनशील है। 'कोविड–19' से उत्पन्न विषम परिस्थितियों में 'दो गज दूरी मास्क है जरूरी' के उद्घोष के साथ रोवर्स/रेंजर्स ने अपने तथा अपने आस–पास के जनमानस के अंदर न केवल कोविड से बचाव बल्कि उनके अंदर प्रतिरोधक क्षमता के विकास के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन, केन्द्र सरकार, आयुष मंत्रालय, प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन के निर्देशों के प्रति निरंतर जागरूकता उत्पन्न करने का कार्य किया। जब तक 'कोविड–19' से बचाव के लिए प्रभावी वैक्सीन अथवा दवा सर्व उपलब्ध नहीं हो जाती तब तक केवल जागरूकता एवं बचाव ही सुरक्षित रहने का एकमात्र विकल्प है। इसे लक्षित करते हुये, रोवर्स/रेंजर्स को 'कोविड–19' के विविध पहलुओं के प्रति जागरूक करने के लिए रोवर्स/रेंजर्स, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा दिनांक– 04 सितम्बर, 2020 को 'कोविड–19ः जागरूकता एवं बचाव' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्राचार्या, रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी एवं रोवर्स/रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता किया। इस वेबिनार की अध्यक्षता रोवर्स/रेंजर्स, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की संरक्षक एवं विश्वविद्यालय की कुलपति माननीया प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीया कुलपति ने जनमानस के अंदर 'कोविड–19' से उत्पन्न भय को यथासम्भव दूर करने का प्रयत्न किया तथा कहा कि यह वायरस हमें तब तक प्रभावित नहीं कर सकता जब हम इसके सम्पर्क में नहीं आते अथवा इसे अपने साथ अपने घर तक नहीं ले जाते। आज हमारे समाज का शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जो इसके दुष्प्रभावों एवं प्रसार–विधि से परिचित न हो। हम सभी सुपरिचित हैं कि 'कोविड–19' के प्रति जागरूकता ही बचाव है। अतः शासन के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए हमें स्वयं भी जागरूक रहना है तथा अपने समाज को भी जागरूक रखना है। इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी मास्क लगायें, समाजिक दूरी बनाये रखें, भीड़–भाड़ से बचे, समय–समय पर साबुन से हाथ धुलें, बाहर निकलने पर प्रमाणित सेनेटाइजर का प्रयोग करें तथा अपनी प्राचीन चिकित्सा पद्धति–आयुर्वेद के गुणों को आत्मसात करें। वेबिनार में डॉ0 रिकेश कुमार ने 'कोविड–19' की संरचना, उसके संक्रामकता, लक्षणों एवं बचाव की विधि पर अपना विचार व्यक्त करते हुए एलोपैथ में उपलब्ध दवाओं के सीमित रूप से प्रयोग किये जाने की सलाह दी। डॉ0 रिकेश कुमार स्वयं जिला कोविड केन्द्र से सम्बद्ध हैं, अतः उन्होंने दिशा–निर्देशों का पालन करने एवं अधिक से अधिक जाँच कराने का सुझाव दिया। वेबिनार में आयुर्वेद का पक्ष डॉ0 श्याम सुन्दर पाण्डेय ने प्रस्तुत किया। डॉ0 पाण्डेय ने लगभग 2000 वर्षों पुराने आयुर्वेद के इतिहास का यथार्थ स्वरूप प्रस्तुत करते हुए यह स्पष्ट किया कि 'कोविड–19' आयुर्वेद के लिए कोई नवीन समस्या नहीं है। अतीत में भी इससे मिलती–जुलती समस्यायें हमारे समाज के समक्ष उपस्थित होती रही हैं तथा आयुर्वेद ने उनका प्रभावी समाधान प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज यदि विश्व के अन्य देशों की तुलना में 'कोविड–19' का भारत में प्रसार सीमित है तो इसके पीछे किसी न किसी रूप से आयुर्वेद ही है। आयुर्वेद को जन–जन तक

पहुँचाकर तथा योग एवं साधना के प्रति लोगों को जागरूक कर, इसके विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर हम इस महामारी से मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं। आयुर्वेद के प्रति लोगों में आस्था एवं विश्वास उत्पन्न कर एवं आयुर्वेद–काढ़ा का सेवन करने के लिए प्रेरित कर हम 'कोविड–19' से अपना तथा अपने समाज का बचाव कर सकते हैं।

17 सितम्बर, 2020 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में रोवर्स/रेंजर्स ने पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने के उद्देश्य से, उत्साहपूर्वक पीपल के पौधे लगाये।

उत्तर प्रदेश शासन एवं विश्वविद्यालय तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत 17 से 25 अक्टूबर, 2020 तक सम्बद्ध महाविद्यालयों में, रोवर्स/रेंजर्स के सहयोग से महाविद्यालयों में बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए विशेष अभियान संचालित किया गया। इसके अन्तर्गत छात्राओं को विशेषज्ञों के माध्यम से महिला सुरक्षा से सम्बन्धित कानूनी प्रावधानों एवं हेल्पलाइन की जानकारी दी गयी तथा आत्मरक्षा के लिए स्वयं को तैयार रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया। 'मिशन–शक्ति' के अन्तर्गत अन्य गतिविधियों के साथ ही विशेष रूप से दिनांक 21.10.2020 को 'साइबर सुरक्षा' के प्रति जागरूक करने तथा लैंगिक हिंसा से रोकथाम विषयक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस विशेष कार्यक्रमों के साथ ही, सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा 'कोविड–19' के प्रति निरंतर व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किये गये।

20 अगस्त, 2020 को रोवर्स/रेंजर्स की संरक्षक एवं विश्वविद्यालय की कुलपति माननीया प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के बाहर रोवर्स/रेंजर्स की गतिविधियों में सहभागिता करते हुए जमुना राम पी0जी0 कालेज, बलिया द्वारा

आयोजित मास्क एवं सेनेटाइजर वितरण के लिए वृहद कार्यक्रम किया। 'कोविड–19' के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में न केवल आयोजक महाविद्यालय के रोवर्स/रेंजर्स के लिए उत्साहवर्धन किया बल्कि उन सभी रोवर्स/रेंजर्स के लिए प्रेरणादायक था जो निरंतर लम्बे समय से, स्वयं को सुरक्षित रखते हुए, 'कोविड–19' के दुष्प्रभाव से जनसमुदाय को सुरक्षित रखने में तल्लीन है।

'मिशन–शक्ति' के अन्तर्गत महाविद्यालयों में आयोजित किये गये विविध कार्यक्रमों के क्रम में कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया में रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में, एक वृहद परिचर्चा आयोजित की गयी थी। इसमें महिला पुलिस अधिकारी, युवा कल्याण अधिकारी के साथ के साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापकों/कर्मचारियों तथा छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की। वक्ताओं ने महिला अधिकारों के साथ ही भारतीय समाज में महिला की स्थिति को चित्रित करते हुए उन बाधाओं को दूर करने की अनिवार्यता पर बल दिया जो परिवार अथवा समाज के द्वारा उत्पन्न की जाती है तथा महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित कर उन्हें दूर किया जा सकता है। विचार–विमर्श में महिलाओं को साइबर अपराध के प्रति विशेष रूप से जागरूक किये जाने तथा स्वयं को पहचानने तथा अपनी अन्तर्निहित शक्ति को जागृत करने की अनिवार्यता स्थापित की गयी। दिनांक 21.10.2020 को ही श्री सुदृष्टि बाबा पी0जी0 कालेज, सुदृष्टपुरी, बलिया में नारी सशक्तिकरण विषयक संगोष्ठी आयोजित की गयी थी। देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बेल्थरारोड एवं बाबा रामदल सूरजदेव स्मारक महाविद्यालय, पकवाइनार तथा अन्य महाविद्यालयों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। शारदीय नवरात्र से वासंतिक नवरात्रि तक चलने वाले नारी सशक्तिकरण पर केन्द्रित 'मिशन–शक्ति' के अन्तर्गत सम्बद्ध महाविद्यालयों में निरंतर कार्यक्रम आयोजित एवं संचालित किये जा रहे हैं।

संविधान दिवस, 26 नवम्बर, 2020 के पावन अवसर पर सम्बद्ध महाविद्यालयों में संगोष्ठियों का आयोजन कर संविधान के प्रति प्रतिबद्धता उत्पन्न करने के साथ ही रोवर्स/रेंजर्स की प्रस्तावना में अन्तर्निहित सिद्धान्तों के प्रति जागरूक एवं प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलायी गयी तथा मौलिक कर्तव्यों की जानकारी प्रदान की गयी।

पौधरोपण करतीं कुलपति एवं डी0एफ0ओ0

"Living Legends of Ballia" & Deen Dayal Upadhyaya Research Centre Organized International Webinar On "Role of Jananayak Chandrashekhar University in Development of Ballia"

Prof. Kalplata Pandey honourable Vice Chancellor Jananayak Chandrashekhar University led an International webinar through the forum "Living Legends of Ballia" & Deendayal Upadhyaya, Reserach Centre of the University dated 19 September 2020 on the topic "Role of Jananayak Chandrashekhar University in Development of Ballia". Prof. K.P. Pandey, the very first and chief speaker of the webinar, focused his talk around the social responsibilities of the university and said that the university must play a seminal role in the development of the marginalized people. Shri Umesh Chaturvedi, advisor of Prasar Bharti suggested that the University must preserve the folk arts, language and culture of Ballia and should come forward for the research level writings and proper documentation the glorious history of Ballia. Prof. G.N. Tiwari, formerly Professor, IIT, New Delhi opined that the university must prepare its research cell to encourage research activities and to publish quality research papers in the Journal of International repute in order to get international recognition. Shri Deepak Verma Ex. Inspector General of Police, Jharkhand was of the view that the university must create a good and healthy atmosphere for the encouragement and betterment of education as well as sportsmen and

athletes. Prof. Sanjay Rai, AIIMS, New Delhi expressed the view that we should preserve and secure the culture of Ballia and must document it. He added that we must promote and encourage the small business or industries of local places of Ballia like Gulabsakari (xqykc'kdjh) and Scent of Sikanderpur etc.

Dr. Rameshwar Choubey, Nuclear Scientist, Canada centred his talk, in the 2nd session of the webinar, on history, language and culture of Ballia and suggested that the university must encourage community development. Prof. Jagdish Shukla, George Messon University, U.S.A opined that the university must establish itself as a role model or ideal so that the affiliated colleges must get inspiration to follow it. He invoked that the way Jews developed Israeli, in the same way the immigrant people of Ballia must meet together and give their best contribution in the development of Ballia. Dr. Sanjay Mishra from U.S.A stressed on the creation and spreading of good awareness and atmosphere to generate new ideas and he also stressed on the need of preparing our youth for modern day competition so that they can serve and contribute their best capacity in the development of our society and nation.

Dr. Ratna Prabha, Dr. Hemant, Dr. Prity Upadhyay, Dr. Akhilesh Srivastav, Dr. Anurag Srivastava, Smt. Pratima Upadhyay etc. participated in panel discussion. Prof. Kalplata Pandey, in her presidential address, stated that the university welcomes all the advices and suggestions of the webinar and, simultaneously, determined to concretize it and incorporate it. Our emphasis would be on the development of Bhojpuri language, history, culture, and the preservation of small industries or business of Ballia. Dr. Ram Krishn Upadhyay, coordinator of Deen Dayal Upadhyay Research Center operated the first session of the webinar and Dr. Yadavendra Pratap Singh successfully anchored the second session subsequently the Panel Discussion was held and operated by Dr. Nisha Raghav. Dr. Dayalanand Rai delivered the vote of thanks. Dr. Pramod Shankar Pandey, Dr. Jainendra Kumar Pandey and Dr. Stayendra Mishra successfully conducted the technical operation of the webinar.

Jananayak Chandrashekhar University Organized Special Lecture On "Atmospheric Heating due to Black Carbon Aerosol during the Summer Monsoon Period over Ballia: A Rural Environment over Indo- Gangetic Plain"

Under the academic leadership of honorable Vice Chancellor Prof. Kalplata Pandey "Living Legends of Ballia", a forum of Jananayak Chandrashekhar University organized a special lecture on 21 October 2020 on the topic "Atmospheric Heating due to Black Carbon Aerosol during the Summer Monsoon Period over Ballia: A Rural Environment over Indo- Gangetic Plain" in Jay Prakash Narayan Hall of the university which was delivered by Prof. Suresh Tiwari, Scientist, Indian Institute of Tropical Meteorology, New Delhi. Prof. Tiwari is a resident of Village-Mujahi, Block-Pandah and Tehsil Sikenderpur. He is an honourable member of the forum. As it was the first off line lecture organized by the forum, the honorable Vice Chancellor Prof. Kalplata Pandey felicitated to Prof. Tiwari.

Prof. Suresh Tiwari explained impressively in his lecture that the small particles of Carbon are always present in the environment which have became almost double in number in the last 40 years. There particles are responsible for the change of weather. Due to the ample increased amount of these particles (Carbon) there happen rains in the western area of India while Ganga-Brahmputra plain area gets less than they require amount of rains. For the origin of these Carbon particles there are many factors, which are responsible. The most important of them include fossil fuel, Agricultural waste and industrial burning of emissions etc. Hence, it is compulsory to use low or pollution free fuel to control it. We must prohibit the burning of agricultural waste and encourage the plantation of trees near the roads. Prof. Tiwari stressed that to control pollution only government policies and attempts are not sufficient but

we must generate awareness among the common mass regarding this. He promised to help in establishing and managing all the required facilities for research activities and, simultaneously, promised to help the students in all the possible ways. He assured us to establish observatory system in the University as soon as possible, for the weather forecast.

Prof. Kalplata Pandey,V.C. J.N.C.U, said that she is determined to establish to develop a centre for the high-level research in the university. She expressed that she will continue to invite the living legends of Ballia to inspire and motivate the high quality research in the university.

The event started with offering garlanding and lighting lamp in honor of Goddess Sarswati. Shri Arvind Upadhyay and his colleagues recited the Kulgeet of the university. Dr. Pramod Shankar Pandey welcomed the guests in the programme, Dr. Yadvendra Pratap Singh, convener, "Living Legends of Ballia" anchored it. The vote of thanks was delivered by Shri Sanjay Kumar, Registrar, J.N.C.U. Shri Mahesh Kumar Dy.Registrar, Dr. Dilip Kumar Srivastava, Dr. Ram Sharan Pandey, Dr. Aravind Netra Pandey, Dr. Nivedita Srivastava, Dr. Devendra Singh, Dr. Ranveer Singh, Dr. Nisha Raghav, Dr. Dayalanand Roy, Dr. Suchita Prakash, Shri Dhirendra Kumar, Atul Kumar, Neha Visen and many Principals and teachers of the affiliated colleges of the university and students were present in the programme.

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia Organized National Webinar On Global Hand Washing Day 15 October 2020

J.N.C.U, Ballia organized a national webinar on 15 October 2020 on the occasion of Global Hand Washing Day under the dynamic academic leadership of honorable vice chancellor Prof. Kalplata Pandey. Dr. Pracheesh Prakash , C.E.O , E. H.C.C Hospital, Jaipur, Rajasthan virtually graced the event as the chief Guest and chief Speaker. During his lecture, Dr. Prakash talked about the various ways of hand washing and described it as an integral part of hygiene and healthy life. He also elaborated the methods and importance of hand wash in the backdrop of the slogan of the global Hand Washing day "Our Hands, Our Future". It was an excellent talk on the theme of the webinar.

At the outset of the cited webinar Dr. Yadavendra Pratap Singh, convener welcomed the speakers and participants. As the first speaker of the webinar Dr.Ashok Kumar Singh, coordinator Rovers and Rangers, JNCU, Ballia, threw light on the steps and initiatives taken by his entire team in order to curb the Covid19 and led circumstances. In the same line, Dr. Sahib Dubey, Coordinator NSS, JNCU, Ballia, deliberated the measures taken by his group during the testing time of Covid19 pandemic. Dr. Aravind Netra Pandey, coordinator NCC, JNCU, Ballia, appraised how NCC organized cleanness drives throughout the painful period of Covid19 era.

Prof. Kalplata Pandey, honorable, Vice Chancellor, delivered a brilliant presidential and expressed the values of hand -wash in our day-to-day life; she illustrated the works done by the university in order to restrain the Covid19 and led situation. Dr. Jainendra Kumar Pandey, P.R.O, J.N.C.U, Ballia expressed the vote of thanks of the webinar. In the end, all the dignitaries and participants took oath to be neat and clean and to inspire others to be hygiene.

On this occasion, the university also organized Poster Competition, Slogan Competition and Story/ Essay Writing Competition. In Poster competition, Deeksha Singh received first prize, Priyanka Soni second and Priyanka Kumari third. Sweeti Singh got first prize in Slogan Competition simultaneously Anjali Kumari Second and Ragini Singh Third. In story/ Essay writing, Jyoti received first prize, Madhu Sharma second and Manisa Pandey third. Atul Jaiswal, Guest Faculty of Commerce and Neha Visen, Guest faculty of Sociology, J.N.C.U Ballia beautifully organized this competition event.

Webinar Organized on 'Appa Dipo Bhavah'

In the aegis of A Shri Sudrishti Baba PG College Raniganj Ballia a webinar are organised entitled 'App dipo bhavah'. The main objectives of this webinar was to let the people aware about the program conducted by UP Government named 'Mission Shakti'. The first phase of the webinar focused on the entitled 'Appa Dipo bhavah'. The webinar conducted under the presidency of Principal college Mr. Prakash Chand Tripathi. Dr. Santosh Kumar Singh is the convenor of this program. The keynote speaker of the webinar was assistant professor of Hindi department, Dr.Vivekanand deo Pandey. He focused on the changing scenario of women's condition from past to present situation. Along with this he also laid emphasis on the positive aspects on female discussion. His view about female empowerment is that the education is key source. It is the duty of all improving the condition of women we have to educate them. After this Dr. Santosh Kumar Singh who was the convenor of this program presented the synopsis of this mission.At the end of the session presidential key note was delivered by Mr Prakash Chand Tripathi. The vote of thanks was given by Akanksha Upadhyay (Assistant professor, Psychololgy). The anchor of the webinar was Head of the department of Psychology Mr .Satyendra Mani Vikram, who systematically organised this webinar.Apart from this some other members were also present like Dr. Tripurari Kumar Thakur (Assistant professor Sanskrit), Mr. Vineet Rai (Assistant professor Geography), Dr. Rajeev Kumar Srivastav (Assistant professor Sociology), Rr. Manjit Kumar Singh (Assistant professor -Hindi),Dr. Pradeep (Assistant professor-Hindi),Dr. Abha Srivastava (Assistant professor -Hindi) and many students had also attended the program.

Prof. Raj Nath Yadav visited the University

Prof. Raj Nath Yadav, honorable Vice-Chancellor Purnea University Purnea, Bihar who is an honorable member of the forum "Living Legends of Ballia" (a forum of J.N.C.U Ballia), visited the university on 18 November 2020. He was very much delighted to see that the university is located in the lap of the nature and quietly away from any kinds of pollution. He shared his ideas regarding the development of the university with honorable Vice-Chancellor Prof. Kalplata Pandey. He made promise to help in research and development programme of the university. Prof. Yadav has published 190-research papers in national and international journals. He has supervised more than three dozen Ph.D research scholars.

मीडिया में विश्वविद्यालय

यूपी में चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ने सबसे पहले घोषित किया रिजल्ट

वार्ता

- शेष पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी 20 तक कर दिए जाएंगे घोषित
- 30 तक प्रवेश पूर्ण कर एक नवंबर से कक्षाओं का होगा संचालन

कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय

जागरण संवाददाता, बलिया : जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के पास सीमित संसाधन अवश्य हैं, लेकिन हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं है। हम विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और इसके सुखद परिणाम में भी सामने आ रहे हैं। वह गुरुवार को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि अभी प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में परीक्षाएं चल रही हैं, जबकि उनके विश्वविद्यालय ने तय समय से पहले नकलविहीन परीक्षा कराकर एक मिसाल कायम की है। यही नहीं, इस विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के अधिकांश परीक्षाफल भी घोषित कर दिए हैं और शेष पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी 20 अक्टूबर तक घोषित कर दिए जाएंगे। खुशी की बात है कि हमारा विश्वविद्यालय सबसे पहले रिजल्ट घोषित करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

इस उपलब्धि के लिए कुलपति ने मूल्यांकन प्रभारी डा. अरविंद नेत्र पांडेय और अन्य प्राध्यापकों, अधिकारियों- कर्मचारियों को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है 30 अक्टूबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करके एक नवंबर से कक्षाओं का संचालन आरंभ कर दिया जाए।

विश्व हाथ धुलाई दिवस हाथ धोने की आदत से दूर भागती हैं बीमारियां, अभियान से जन-जन को जोड़ेंगे

जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर नगरा में महिला का हाथ धुलवाती छात्राएं ● जागरण

बाबा रामदल सूरजदेव स्मारक पीजी कालेज पकवाइनार में स्वच्छता का संकल्प लेते छात्र-छात्राएं ● जागरण

जागरण संवाददाता, बलिया : 'विश्व हाथ धुलाई दिवस' पर विभिन्न संस्थाओं ने कोरोना सहित अन्य गंभीर बीमारियों से आम जनमानस को बचाने के लिए स्वच्छता संग जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की ओर से एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। आरंभ में डा. यादवेंद्र प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत उद्घाटन भाषण के साथ किया।

मुख्य वक्ता डा. प्राचीश प्रकाश, सीईओ, ईएचसीसी हास्पिटल, जयपुर ने हाथ धुलने के सही तरीकों की जानकारी दी। साथ ही कहा कि इससे बहुत सी संक्रामक बीमारियों बचाव होता है। कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि डा. प्राचीश बलिया की विभूति हैं। इनके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, इन्हें अपनाकर हम कोरोना जैसी महामारी से लड़ सकते हैं। इसके पूर्व डा. अशोक सिंह, डा. साहेब दुबे, डा. अरविंद नेत्र पांडेय आदि वक्ताओं ने स्वच्छता के महत्व का रेखांकन किया और रोगों से बचाव के लिए इसे उपयोगी बताया। धन्यवाद ज्ञापन डा. जैनेंद्र पांडेय ने किया।

चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन कोरोना काल में लोगों की आदतों में शुमार हुआ हाथ धोना

90 फीसद बीमारियों से होता है बचाव

जिला महिला अस्पताल स्थित प्रसवोत्तर केंद्र में कार्यरत नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डा. सिद्धार्थ मणि दुबे ने हाथ धोने के महत्व पर बताया कि यह आदत हमें 90 फीसद बीमारियों से बचा सकती है। हमारे हाथों में न जाने कितनी अनदेखी गंदगी छिपी होती हैं, जो किसी भी वस्तु को छूने, उसका उपयोग करने और कई तरह के रोजमर्रा के कामों के कारण होती हैं। हाथ धोने के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए वैश्विक स्तर पर हर साल 15 अक्टूबर को हैंड वॉशिंग दिवस मनाया जाता है।

नगर पंचायत में किया जागरूक

मनियर : विश्व हाथ धुलाई दिवस पर नगर पंचायत कार्यालय मे अधिशासी अधिकारी राम बदन यादव ने कर्मचारियों को जागरूक किया। उन्होंने 7 प्रकार से हाथ की धुलाई के नमूने बताए। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत के कर्मचारी प्रत्येक वार्डों में जाकर हाथ धोने व मास्क पहनने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करेंगे।

देश की एकता और अखंडता का प्रतीक हैं

संवाददाता, बलिया

मंचासीन साहित्यकार डॉ जनार्दन राय व डॉ यशवंत सिंह .

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती मनायी गयी. इस मौके पर 'आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार बल्लभ भाई पटेल की भूमिका' विषय पर एक विचार-गोष्ठी का आयोजन भी किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ जनार्दन राय ने की. उन्होंने सरदार पटेल को देश की एकता और अखंडता का प्रतीक बताया. साथ ही कहा कि सरदार पटेल की प्रतिमा जितनी ऊंची है, उतनी ही जनता के बीच उनकी विचारों की स्वीकृति की आवश्यकता है. मुख्य अतिथि डॉ यशवंत सिंह ने कहा आजाद भारत के साथ रियासतों को मिलाना कोई मामूली बात नहीं थी. यह कार्य सरदार पटेल जैसा कठोर व्यक्ति ही कर सकता था. उन्होंने यह भी कहा कि कठोर वही हो सकता है, जो प्रेम करना जानता हो सरदार पटेल अपने देश की जनता से अटूट प्रेम करते थे, इसी कारण उन्होंने कठोर फैसले लिये. विषय-प्रवर्तन करते हुए डॉ शुभनीत कौशिक ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि सरदार पटेल महज एक कुशल राजनेता ही नहीं, वरन व्यापक सरोकारों वाले युगद्रष्टा भी थे. अतिथियों का स्वागत डॉ जैनेंद्र पांडेय ने किया. संचालन डॉ प्रमोद शंकर पांडेय ने किया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ दयाला नंद राय ने किया. इस अवसर पर कुलसचिव संजय कुमार, सहायक कुलसचिव शोक विमोचन त्रिपाठी, डॉ यादवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ अतुल, डॉ नेहा आदि लोग उपस्थित थे.

विश्वविद्यालयमें शिक्षक सम्मान समारोहका शुभारम्भ

बलिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो० कल्पलता पाण्डेय की पहल पर आयोजित इस समारोह में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के ३३ सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कोरोना और दूसरे कारणों से ८ प्राध्यापक ही 'इस समारोह में उपस्थित हो सके। जिन्हें कुलपति महोदया ने प्रशस्ति-पत्र, शाल, स्मृति- चिह्न देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व उन्होंने मां सरस्वती, डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा, शिक्षक में राष्ट्र को बदल देने की क्षमता होती है, इसलिए वह समाज का सर्वाधिक सम्मानित सदस्य होता है। यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में यह परम्परा इस वर्ष शुरू हुई, इसका मुझे अफसोस है। मैं स्वयं एक शिक्षक हूँ, इसलिए शिक्षक सम्मान मेरे लिए सबसे ऊपर है। इस अवसर पर एसबीआई के शाखा प्रबंधक प्रमोद कुमार आजाद ने कुलपति महोदया को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में डॉ० अशोक कुमार उपाध्याय, डॉ० श्रीरंगनाथ मिश्रा, डॉ० के के मिश्र, डॉ० बलराम प्रसाद, डॉ० गणेश पाठक, डॉ० राम अवध पाण्डेय, डॉ० विभा मालवीय, डॉ० अर्चना श्रीवास्तव। इन शिक्षकों ने कुलपति द्वारा शुरू की गयी इस परंपरा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ० प्रमोद शंकर ने किया। कुलगीत की प्रस्तुति डॉ० अरविंद उपाध्याय और साथियों की। इस अवसर पर ममता सिंह, महेश कुमार, डॉ० दिलीप श्रीवास्तव, डॉ० अरविंद नेत्र पाण्डेय, डॉ० रामशरण पाण्डेय, डॉ० आशोक सिंह, डॉ० देवेन्द्र सिंह तथा विश्वविद्यालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। ७ सितम्बर से आरम्भ होने वाली परीक्षा को ध्यान में रखकर कुलपति ने सभी केंद्राध्यक्षों के साथ एक बैठक प्रशासनिक भवन में की। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षा के संदर्भ में आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि कोरोना से बचाव के सभी उपाय सुनिश्चित करते हुए शूचितापूर्ण परीक्षा कराने के लिए विश्वविद्यालय कटिबद्ध है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही अक्षम्य होगी। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षार्थियों को शुभभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परीक्षा को सहज रूप में लें और कोविड-१९ से बचाव के मद्देनजर मास्क, सेनिटाइजर, दस्ताने आदि को साथ लाएँ।

जेएनसीयू में प्रवेश की तिथि बढ़ी

वाद न्यूज एजेंसी

पहले 31 अक्तूबर थी, अब 15 नवंबर तक होगा प्रवेश

लिया। जननायक चन्द्रशेखर श्वविद्यालय में प्रवेश की अन्तिम थि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 15 वम्बर कर दी गयी है। इस सन्दर्भ में ।विवि के कुलसचिव संजय कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है और फिलहाल इसे विश्वविद्यालय परिसर तक ही लागू किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि स्नातकोत्तर वाणिज्य को छोड़कर शेष सभी पाठ्यक्रमों जैसे- पीजीडीसीए, एमएसडब्ल्यू, स्नातकोत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में खुला प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय से यथाशीघ्र संपर्क करके इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं।

लॉ व पत्रकारिता में कोर्स शुरू करेगा विवि

संवाददाता ▷ बलिया

- तमाम दुश्वारियों के बाद भी हर दिन आगे की ओर उन्मुख है जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

प्रो. कल्पलता पांडेय

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा के लिए भी प्रयास में लगे हैं, इसकी मांग अगर पूरी हो गयी तो इस विवि से जुड़े कॉलेज मेडिकल की पढ़ाई भी जिले में शुरू करा देंगे. यह बातें विवि की कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही. कहा कि हम जिले में बने विश्वविद्यालय को नया आयाम देने में जुटे हुए हैं.

फिलहाल विवि में पानी लगा हुआ है. लेकिन यहां काम करने वालों का मनोबल कम नहीं है. हम लॉ और पत्रकारिता के क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की योजना बना रहे हैं. जिससे कि एक वर्षीय कोर्स के लिए किसी को भटकना न पड़े.

कुलपति डॉ कल्पलता ने जहां विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनायीं, वहीं इसके समक्ष खड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया. कुलपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के पास सीमित संसाधन अवश्य हैं, किन्तु हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं है.

हम विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और इसके सुखद परिणाम में भी सामने आ रहे हैं. उन्होंने बताया कि अभी प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में परीक्षा चल रही है, जबकि जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय ने तय समय से पहले नकलविहीन परीक्षा कराकर एक मिसाल कायम की है. यही नहीं, इस विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के अधिकांश परीक्षाफल भी घोषित कर दिए हैं और शेष पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी 20 अक्टूबर तक घोषित कर दिए जाएंगे. खुशी की बात है कि हमारा विश्वविद्यालय सबसे पहले रिजल्ट घोषित करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है. इसके लिए कुलपति ने मूल्यांकन प्रभारी डॉ अरविन्द नेत्र पाण्डेय और अन्य प्राध्यापकों, अधिकारियों- कर्मचारियों को धन्यवाद भी दिया. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर और सबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है. हमारा प्रयास है 30 अक्टूबर तक प्रवेश पूरा करके 1 नवम्बर से कक्षाओं का संचालन आरम्भ कर दिया जाय. पीएचडी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई चल रही है और यह पढ़ाई सुचारू रूप से चले, इसकी निगरानी भी की जा रही है.

कुलपति ने श्री जमुना राम पीजी कालेज में किया पौधरोपण

स्काउट-गाइड के छात्राओं को मास्क व सेनेटाइजर प्रदान करती कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय

श्री जमुना राम पीजी कालेज में पौधरोपण करती कुलपति

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व छात्राएं

जनसंदेश टाइम्स

कार्यक्रम

कोरोना महामारी से बचाव हेतु दिया टिप्स

बलिया। श्री जमुना राम पीजी कालेज चितबड़ागांव में कोविड-19 महामारी से मुक्ति हेतु मास्क एवं सैनेटाइजर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की तथा कोविड-19 से बचाव के बारे में अपनी अभियुक्ति प्रस्तुत की। कहा कि अभी देश से कोरोना खत्म नहीं हुआ है। कालेज में जो भी छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे है, पहले हमें उनके जीवन की सुरक्षा करनी पड़ेगी। कालेज में सोशल डिस्टेंस के साथ ही समय-समय पर कक्षों को सेनेटाइज करना तथा सभी बच्चों को मास्क लगाने की आदत बनाये रखना जिम्मेदारी है। कहा कि वृक्ष लगाना सबसे बड़ी बात नही है। इसे बचाना एक बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में कुलपति ने प्रबंधक डॉ. धर्मात्मानंद एवं प्राचार्य डॉ. अंगद प्रसाद गुप्त को बधाई दी। महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. धर्मात्मानंद जी द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रोवर्स/रेंजर द्वारा निर्मित मास्क भी वितरित किया गया। महाविद्यालय के रेंजर्स के संबंध में डॉ. विनोद कुमार यादव द्वारा प्रगति प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर डॉ. अखिलेश राय, लल्लन सिंह, अशोक कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. रमाकांत सिंह, डॉ. साहेब दुबे, डॉ. अरविंद नेत्र पांडे, डॉ. रामशरण पांडेय आदि मौजूद रहे। महाविद्यालय की प्रगति आख्या प्राचार्य डॉ. अंगद प्रसाद गुप्त ने प्रस्तुत किया। संचालन बृजेश गुप्ता ने किया। सभी का आभार डॉ. अरूणेन्द्र मिश्र ने व्यक्त किया।

कुलपति का स्वागत करते प्रबंधक डॉ. धर्मात्मानंद

जेएनसीयू. सीट से अधिक आवेदन मिलने पर प्रवेश समिति का निर्णय

बीएससी कृषि, एमएससी कृषि और एमकॉम के लिए होगी प्रवेश परीक्षा

- 30 सितंबर को प्रवेश परीक्षा की तिथि दो शिफ्ट में निर्धारित

वरिष्ठ संवाददाता, बलिया

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में स्नातक के एक और परास्नातक के दो कोर्स में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा ली जायेगी. इन कोर्सों में निर्धारित सीट से ज्यादा आवेदन होने के चलते विश्वविद्यालय परीक्षा समिति ने प्रवेश परीक्षा कराने का निर्णय लिया है. वहीं, अन्य कोर्स में सीट से कम आवेदन होने के कारण सीधे नामांकन होगा. बीएससी कृषि, एमएससी कृषि और एमकॉम में नामांकन के लिए अभ्यर्थियों को कड़ी मशक्कत करनी होगी. विवि प्रशासन ने प्रवेश परीक्षा के लिए 30 सितंबर की तिथि तय की है. दो शिफ्ट में दो केंद्रों पर परीक्षा ली जायेगी. बीएससी कृषि के अभ्यर्थियों की प्रवेश परीक्षा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सतीश चंद्र कॉलेज में होगी. वहीं, एमकॉम की प्रवेश परीक्षा विवि कैंपस में सुबह 9 बजे से 11 बजे तक होगी. एमएससी कृषि की प्रवेश परीक्षा विवि कैंपस में ही दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी. बता दें कि कोरोना संक्रमण काल में विवि प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक के साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगा था. परीक्षा समिति ने पहले ही इस बात पर सहमति दे दी थी कि किसी भी पाठ्यक्रम में सीट से अधिक आवेदन होने पर ही प्रवेश परीक्षा करायी जायेगी. कम आवेदन होने पर सीधे नामांकन लिया जायेगा. आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन पाठ्यक्रमों में ही अधिक अभ्यर्थी मिले.

अन्य कोर्स में सीट से कम आये आवेदन, सीधे होगा नामांकन

कल से विवि की वेबसाइट से मिलेगा एडमिट कार्ड

कुलसचिव संजय कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 23 सितंबर से एडमिट कार्ड डाउनलोड किया जा सकेगा. इसके लिए अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन नंबर और जन्मतिथि का प्रयोग करते हुए एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे. 29 सितंबर तक प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा. वहीं, परीक्षा के दिन एडमिट कार्ड पर अपना नवीनतम फोटो चस्पा करते हुए किसी मान्य पहचान पत्र के साथ केंद्र पर प्रवेश मिलेगा.

अभ्यर्थियों का 19 अक्तूबर तक होगा एडमिशन

विवि प्रशासन ने कहा है कि प्रवेश परीक्षा और काउंसेलिंग मे सफल अभ्यर्थियो का नामांकन 19 अक्टूबर तक होगा. अभ्यर्थी आवंटन पत्र के साथ संबंधित संस्था/महाविद्यालय मे उपस्थित होकर प्रवेश लेना सुनिश्चित करेंगे. इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी का नामांकन नही लिया जायेगा.

तीन अक्तूबर को रिजल्ट, छह अक्तूबर से काउंसेलिंग

प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट तीन अक्टूबर को जारी कर दिया जायेगा. विवि की ओर से वेबसाइट पर ही रिजल्ट अपलोड किया जाना है. प्रवेश परीक्षा मे सफल अभ्यर्थियो का एडमिशन काउंसेलिंग के बाद किया जायेगा. कुलसचिव ने बताया कि छह से नौ अक्टूबर तक ऑनलाइन काउंसेलिंग करायी जायेगी. बताया कि काउंसेलिंग प्रक्रिया मे शामिल अभ्यर्थियो द्वारा चयनित महाविद्यालय/पाठ्यक्रम का आवंटन मैरिट के आधार पर करते हुए 10 अक्टूबर को विवि की वेबसाइट पर सूची अपलोड कर दी जायेगी.

बीकॉम तृतीय वर्ष का रिजल्ट घोषित

बलिया. जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ने बीकॉम तृतीय वर्ष का रिजल्ट घोषित कर दिया है. इसके साथ ही जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश मे स्नातक स्तर पर रिजल्ट देने वाला पहला विश्वविद्यालय बन गया. गौरतलब है कि कोरोना महामारी के कारण इस वर्ष परीक्षा विलंब से शुरू हुई, जो अब भी चल रही है. इस बीच विश्वविद्यालय की ओर से उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन तेजी से कराया जा रहा है, जिससे समय से रिजल्ट घोषित किया जा सके. इस संदर्भ मे कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने कहा कि विद्यार्थियों का हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. हमारा प्रयास है कि समय से रिजल्ट घोषित हो और पठन- पाठन ठीक प्रकार से चले.

व्याख्यान. लिविंग लीजेंड्स ऑफ बलिया फोरम का आयोजन

कार्बन की मात्रा बढ़ने से मैदानी भागों में हो रही अधिक बारिश

- वैज्ञानिक प्रो सुरेश तिवारी ने बताये मौसम में बदलाव के कारण
- कहा, 40 साल में दोगुने हो गये हैं वातावरण में कार्बन के कण

वरिष्ठ संवाददाता ▷ बलिया

वातावरण में कार्बन के सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ने के कारण ही मैदानी भागों में ज्यादा बारिश हो रही है. यह कहना है मौसम वैज्ञानिक प्रो सुरेश तिवारी का.

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के जयप्रकाश नारायण सभागार में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मैटेरियोलॉजी, नयी दिल्ली के वैज्ञानिक और बलिया के मूल निवासी प्रो सुरेश तिवारी का 'कार्बन एयरोसोल के द्वारा गंगा के मैदानी भागों में मौसम परिवर्तन' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया. प्रो तिवारी जिले के सिकंदरपुर तहसील के पंद्रह ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मुंजही के रहने वाले हैं.

विश्वविद्यालय में गठित 'लिविंग लीजेंड्स ऑफ बलिया (बलिया की विभूतियां) फोरम की ओर से आयोजित इस प्रथम व्याख्यान में कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने प्रो सुरेश तिवारी को सम्मानित किया.

प्रो सुरेश तिवारी ने अपने व्याख्यान में बताया कि वातावरण में कार्बन के सूक्ष्म कण हमेशा उपस्थित रहते हैं, जिनकी मात्रा पिछले 40 सालों में लगभग दोगुनी हो गयी हैं. ये कण मौसम के परिवर्तन के लिए उत्तरदायी हैं. इन्हीं की ज्यादा मात्रा के कारण वर्षा अब गंगा- ब्रह्मपुत्र के मैदानी भागों में कम और भारत के पश्चिमी भागों में ज्यादा हो रही हैं. इन कार्बन कण की उत्पत्ति के लिए जीवाश्म ईंधन, कृषि अवशेषों का जलाना, औद्योगिक उत्सर्जन आदि उत्तरदायी हैं. कहा कि इनके नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि निम्न या प्रदूषण रहित ईंधन का प्रयोग किया जाये, कृषि अवशेषों को जलाया न जाये और सड़कों के किनारे पौधरोपण किया जाये.

प्रो तिवारी ने इस बात पर बल दिया कि प्रदूषण को कम करने के लिए केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं होंगे, बल्कि जनजागरूकता के द्वारा ही इसका नियंत्रण किया जा सकता है. प्रो तिवारी ने शोधकार्यों के लिए आवश्यक सुविधाओं की स्थापना और शोधार्थियों की हरसंभव सहायता करने का विश्वविद्यालय को वचन दिया. प्रो तिवारी ने मौसम के पूर्वानुमान के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र को विश्वविद्यालय में शीघ्रातिशीघ्र स्थापित करने का भी आश्वासन दिया.

व्याख्यान मे अध्यक्षीय संबोधन देतीं कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय.

उच्चस्तरीय शोध का केंद्र बनेगा चंद्रशेखर विवि

अध्यक्षीय उद्बोधन में जेएनसीयू की कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय को उच्चस्तरीय शोध का एक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए मैं कृतसंकल्पित हूं. विश्वविद्यालय में उच्चस्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शोध हो, इसके लिए शोधार्थियों को प्रेरित और मार्गदर्शित करने के लिए हमेशा इन बलिया की विभूतियों को आमंत्रित करूंगी. कार्यक्रम की शुरुआत अरविंद उपाध्याय और उनके सहयोगियों ने विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति से की. अतिथियों का स्वागत डॉ प्रमोद शंकर पांडेय, संचालन डॉ यादवेंद्र प्रताप सिंह और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संजय कुमार ने किया. कार्यक्रम मे उप कुलसचिव महेश कुमार, डॉ दिलीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ रामशरण पांडेय, डॉ निवेदिता श्रीवास्तव, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ निशा राघव, डॉ दयालानंद रॉय, डॉ सुचेता प्रकाश, अतुल कुमार, नेहा विशेन के साथ ही महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, प्राचार्य, संकायाध्यक्ष, शोधार्थी, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे.

गांधी ने दुनिया से समाप्त किया भेदभावः आनन्द

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

बलिया।

संसदीय कार्य एवं ग्राम्य विकास राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल ने कहा कि महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईस्टीन ने कहा था कि कुछ समय बाद दुनिया आश्चर्य करेगी कि एक ऐसा महामानव आया था धरती पर जिसकी प्रासंगिकता सदियों तक बनी रहेगी। श्री शुक्ल जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में 'महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के सपनों का भारत' विषयक गोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

कहा कि दुनिया में उन्ही व्यक्तित्वों की बातें आगे बढ़ती है, जिनके विचार और कर्म में कोई अंतर नही होता। डरबन और प्रिटोरिया की गांधी की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि जहां गांधी जी का अपमान हुआ, वही पर उनके विचार सर्वाधिक अपनाए गए है। वहां उनकी विशाल प्रतिमा लगी है। गांधी जी झोपड़ी में रहना शुरू कर दिए। क्योंकि वे लोगों से अपने को जोड़ना चाहते थे। पूरी दुनिया में लोगों के बीच भेदभाव को समाप्त करने में गांधी जी की भूमिका अहम है।

मंत्री आनन्द स्वरूप शुक्ल को पुष्पगुच्छ देते बीडीओ राजेश यादव व कौशल विकास केन्द्र का लोकार्पण करते मंत्री और कुलपति। फोटो :

कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि स्वच्छ भारत की संकल्पना गांधी जी ने दिया था। जिस पर वर्तमान प्रधानमंत्री चल रहे है। इस अवसर पर डा. प्रतिभा त्रिपाठी, डा. दिलीप श्रीवास्तव, डा. देवेन्द्र सिंह, डा. अशोक सिंह, डा. निवेदिता श्रीवास्तव, डा. मान सिंह, अरविंद उपाध्याय, प्रेमप्रकाश सिंह, अरुण सिंह बंटू आदि रहे। अतिथियों का स्वागत डा. जैनेन्द्र पाण्डेय व संचालन डा. प्रमोद शंकर पांडेय ने किया। कुलसचिव संजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंत्री ने कौशल विकास केंद्र का किया लोकार्पण

बलिया। मंत्री आनन्द स्वरूप शुक्ल ने कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय के साथ विश्वविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र का शिलापट्ट पूजन और लोकार्पण किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी हनुमानगंज राजेश यादव ने मंत्री आनन्द स्वरूप शुक्ल एवं जनपदस्तरीय अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। जिला विकास अधिकारी शशिमौली मिश्र ने कौशल विकास के संदर्भ में विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। इसके जरिए सरकार महिलाओं और हाशिए के व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों को निभाने के लिए कृतसंकल्पित है।

जननायक चन्द्रशेखर विवि का नतीजा सबसे पहले घोषित

बोलीं कुलपति

शेष पाठ्यक्रमों के रिजल्ट 20 अक्टूबर तक होंगे घोषित

जनसंदेश टाइम्स

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय की ओर से गुरुवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था। कुलपति ने जहां विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनाई, वहीं इसके समक्ष खड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। कुलपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के पास सीमित संसाधन अवश्य हैं, किन्तु हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं है। हम विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और इसके सुखद परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

बताया कि अभी प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में परीक्षा चल रही है, जबकि जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय ने तय समय से पहले नकलविहीन परीक्षा कराकर एक मिसाल कायम की है। यही नहीं, इस विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के अधिकांश परीक्षाफल भी घोषित कर दिए हैं और शेष पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी 20 अक्टूबर तक घोषित कर दिए जाएंगे। खुशी की बात है कि हमारा विश्वविद्यालय सबसे पहले रिजल्ट घोषित करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके लिए कुलपति ने मूल्यांकन प्रभारी डा. अरविन्द नेत्र पाण्डेय और अन्य प्राध्यापकों, अधिकारियों- कर्मचारियों को धन्यवाद भी दिया। कहा कि विश्वविद्यालय परिसर और सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। हमारा प्रयास है 30 अक्टूबर तक प्रवेश पूरा करके 1 नवम्बर से कक्षाओं का संचालन आरम्भ कर दिया जाए। पीएचडी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की आनलाइन पढ़ाई चल रही है और यह पढ़ाई सुचारू रूप से चले, इसकी निगरानी भी की जा रही है। पीएचडी पाठ्यक्रम की परीक्षा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नवम्बर में पीएचडी के विद्यार्थियों की परीक्षा संभावित है। उन्होंने कहा कि मैं शोध की गुणवत्ता को हर कीमत पर कायम रखना चाहती हूँ। साथ ही यह भी चाहती हूँ कि शोध ऐसे विषयों पर हो, जिनका हमारे जीवन में उपयोग हो। बलिया की विभूतियां फोरम का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इससे जुड़ी विभूतियों का हमें काफी सहयोग मिल रहा। इनमें से कई हमें शोध में सहयोग करने के लिए सहर्ष तैयार हैं। हमारा प्रयास होगा कि इनकी विशेषज्ञता का लाभ हमारे शोधकर्ताओं को मिले।

प्रो. कल्पलता पाण्डेय

इन उद्योगों का चलाया जा रहा प्रशिक्षण

बलिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के सहयोग से हम कौशल विकास के संदर्भ में काम कर रहे हैं। यहां मशरूम, सोलर लैम्प, टिकुली आधारित उद्योगों के प्रशिक्षण की योजना भी कौशल विकास केंद्र के माध्यम से चलाई जा रही है। महिलाओं का सामाजिक आर्थिक विकास उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में भी हम कार्य कर रहे हैं।

लड़कियों के लिए चालू की गई बस सेवा

बलिया। कुलपति ने कहा कि हम विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यहां एम काम, एम ए हिन्दी, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान आदि परंपरागत पाठ्यक्रमों के अलावा एमएसडब्ल्यू और पीजीडीसीए जैसे नए पाठ्यक्रमों भी प्रवेश कार्य चल रहा है, जो 30 अक्टूबर तक चलेगा। कुलपति ने कहा की लड़कियों के सुरक्षित आवागमन के लिए बस की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में पढने वाले प्रत्येक विद्यार्थी की मैं माँ हूँ, और विद्यार्थियों का ध्यान रखना मेरी जिम्मेदारी। मुझे खुशी होगी, यदि विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय से जुड़ेंगे।

डॉ. कलाम को रोल मॉडल मानते है युवा

मझौवां। मदर टेरेसा कान्वेंट स्कूल पचरुखिया में प्रधानाचार्य पीएस मिश्रा एवं निदेशक स्वामी रविशंकर जी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि दी। कहा कि कलाम जी के अमिट योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। 21वीं सदी के भारत को समर्थ, सशक्त और सक्षम बनाने में उनका योगदान अतुलनीय है। अभिजीत किशोर ने कहा कि डॉ. कलाम को आज भी देश के युवा और बच्चे अपना रोल मॉडल मानते हैं। देश उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। डॉ. कलाम का जीवन हमेशा लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. कलाम ने यह साबित किया कि इंसान अपने कर्मों और ज्ञान से ही बड़ा बनता है, ना कि कपड़ों और पैसों से। उनके आदर्श व अनमोल विचार हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने खुद को शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया था। वह खुद को पहले एक शिक्षक मानते थे और बाद में कुछ। इस अवसर पर ओंकार नाथ मिश्रा, बीएन तिवारी, रमेश सिंह, दिनेश प्रजापति, दिनेश जी, राजेश राणा, पंकज पटेल, शशिकांत प्रजापति, सास्वत मिश्रा, सत्य प्रकाश जी, शरद पांडे, कमला देवी, रोहित तिवारी आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालयके पास संसाधनकी कमी जरूर, उत्साहमें नहीं

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय की ओर से प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया था। पत्रकारों से वार्ता करते हुए कुलपति ने जहाँ विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनायीं, वहीं इसके समक्ष खड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। कुलपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के पास सीमित संसाधन अवश्य हैं, किन्तु हमारे उत्साह में कोई कमी नहीं है। हम विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और इसके सुखद परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में परीक्षा

चल रही है, जबकि विश्वविद्यालय ने तय समय से पहले नकल विहीन परीक्षा कराकर एक मिसाल कायम की है। यही नहीं, इस विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के अधिकांश परीक्षाफल भी घोषित कर दिए हैं और शेष पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी २० अक्टूबर तक घोषित कर दिए जाएंगे। खुशी की बात है कि हमारा विश्वविद्यालय सबसे पहले रिजल्ट घोषित करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इसके लिए कुलपति ने मूल्यांकन प्रभारी डॉ० अरविन्द नेत्र पाण्डेय और अन्य प्राध्यापकों, अधिकारियों-कर्मचारियों को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर और सबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। हमारा प्रयास है ३० अक्टूबर तक प्रवेश पूरा करके १ नवम्बर से कक्षाओं का संचालन आरम्भ कर दिया जाए। पीएचडी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई चल रही है और यह पढ़ाई सुचारू रूप से चले, इसकी निगरानी भी की जा रही है। पीएचडी पाठ्यक्रम की परीक्षा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नवम्बर में पीएचडी के विद्यार्थियों की परीक्षा संभावित है। यह भी चाहती हूँ कि शोध ऐसे विषयों पर हो, जिनका हमारे जीवन में उपयोग हो। जनपद की विभूतियों फोरम का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इससे जुड़ी विभूतियों का हमें काफी सहयोग मिल रहा। इनमें से कई हमें शोध में सहयोग करने के लिए सहर्ष तैयार हैं।

विश्वविद्यालयमें प्रवेश की तिथि १५ तक

बलिया। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय में प्रवेश की अन्तिम तिथि ३१ अक्टूबर से बढ़ाकर १५ नवम्बर २०२० कर दी गयी है। इस सन्दर्भ में विवि के कुलसचिव संजय कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है और फिलहाल इसे विश्वविद्यालय परिसर तक ही लागू किया गया है।

महिलाओं के कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं दे रहा समाज

- जननायक चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी की महिला प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम आयोजित
- दुनिया में नारियों की गरिमा को बहाल करने की जरूरत पर हुआ मंथन

वरिष्ठ संवाददाता ▷ बलिया

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारीः भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी के आरंभ में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्य ने बीज- वक्तव्य दिया. अपने वक्तव्य में उन्होंने आधी आबादी को हाशिये पर धकेले जाने पर चिंता जाहिर की. उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसे संजोते हुए पुनः नारियों की गरिमा को बहाल करने की जरूरत है.

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो पृथ्वीश नाग 'भारतीय संस्कृति में नारीः कल, आज और कल' विषय पर अपने विचार रखे. अद्यतन आंकड़ों और तथ्यों के हवाले से उन्होंने बताया कि दुनिया भर की महिलाएं तमाम क्षेत्रों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन विडंबना यह है कि हमारा पितृसत्तात्मक समाज उनके कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं देता. प्रो नाग ने कहा कि निश्चय ही हमें स्त्रियों के प्रति इस दृष्टिकोण को बदलना होगा. विशिष्ट वक्ता महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की पूर्व कुलपति प्रो चंद्रकला पाडिया ने 'वर्तमान समय में नारी की अस्मिता' विषय पर अपने विचार रखे. उन्होंने ने नारी- जीवन के विविध पक्षों का सूक्ष्म विश्लेषण किया और भारतीय स्त्री को पश्चिम की तुलना में विशिष्ट बताया. महादेवी वर्मा को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय नारी आसमान में चाहे जितनी ऊंची उड़ान भर ले, परंतु उसे अपने नीड़ में पहुंचने की आतुरता होती है और वह होनी भी चाहिए. अतिथि वक्ता सतीश चंद्र महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या प्रो प्रतिभा त्रिपाठी ने भारतीय संस्कृति को परिभाषित करते हुए स्त्रियों को उसका आधार कहा. उन्होंने कहा कि पश्चिमी प्रभाव के कारण 'लिव-इन रिलेशनशिप' जैसी बुराइयां हमारे समाज में आ रही हैं, यह चिंताजनक स्थिति है.

संगोष्ठी की अध्यक्षता जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने की. अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी बनाम पुरुष के रूप में इन दोनों का संबंध नहीं देखती. बल्कि वह इन दोनों के साहचर्य और सह-अस्तित्व को स्वीकार करती है. उन्होंने कहा कि आज की परिस्थिति में नारी का आत्मनिर्भर और स्वतंत्र होना जरूरी है, लेकिन ध्यान रहे यह स्वतंत्रता स्वच्छंदता का पर्याय न बने. विश्वविद्यालय के पदाधिकारी डॉ रविंद्र प्रताप राघव, डॉ दिलीप श्रीवास्तव, डॉ दयालानंद राय, डॉ जैनेंद्र पांडेय उच्च शिक्षा से संबद्ध प्राध्यापक, शोधकर्ता और विद्यार्थी इस वेबिनार से विभिन्न माध्यमों के जरिये जुड़े रहे. संगोष्ठी का समन्वय और संचालन डॉ निशा राघव व डॉ रामकृष्ण उपाध्याय ने किया. डॉ ममता वर्मा, डॉ उदय पासवान, संध्या पांडेय, डॉ अनिल कुमार ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया.

वेब संगोष्ठी मे ऑनलाइन जुड़े प्रबुद्धजन.

महिलाओं की गरिमा बहाल करने की जरूरत : निर्मला

संगोष्ठी

बलिया | निज संवाददाता

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारीः भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी का आयोजन मंगलवार को हुआ।

पूर्वांचल विवि की कुलपति प्रो निर्मला एस. मौर्य ने आधी आबादी को हाशिए पर धकेले जाने पर चिंता जाहिर की। कहा कि पूरी दुनिया में नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है। उसे संजोते हुए नारियों की गरिमा को बहाल करने की जरूरत है। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो. पृथ्वीश नाग ने कहा कि दुनिया भर की महिलाएं तमाम क्षेत्रों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। लेकिन विडम्बना है कि पितृसत्तात्मक समाज उनके कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं देता। विशिष्ट वक्ता महाराजा गंगा सिंह विवि बीकानेर की पूर्व कुलपति प्रो. चन्द्रकला पाडिया ने नारी- जीवन के विविध पक्षों का सूक्ष्म विश्लेषण किया तथा भारतीय स्त्री को पश्चिम की तुलना में विशिष्ट बताया। अतिथि वक्ता एससी कालेज बलिया की पूर्व प्राचार्या प्रो. प्रतिभा त्रिपाठी ने भारतीय संस्कृति को परिभाषित करते हुए स्त्रियों को उसका आधार कहा। अध्यक्षीय संबोधन में विवि की कुलपति प्रो कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी बनाम पुरुष के रूप में इन दोनों का संबंध नहीं देखती। इस दौरान डॉ रविन्द्र प्रताप राघव आदि थे।

गीत नया गाता हूँ

टूटे हुए तारों से फूटे बासंती स्वर,
पत्थर की छाती में उग आया नव अंकुर,
झरे सब पीले पात,
कोयल की कूक रात,
प्राची में अरुणिमा की रेख देख पाता हूँ।
गीत नया गाता हूँ।
टूटे हुए सपनों की सुने कौन सिसकी?
अंतर को चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी।
हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूँ।
गीत नया गाता हूँ।

– अटल बिहारी वाजपेयी

अन्वीक्षण
The Quest

Compiled & Published by:

Jannayak Chandrashekhar University
Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com